साल 7 आपके साथ
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक

# कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक :4 नवम्बर-2024 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

# SP CONSTRUCTION

## Building INDIA'S Construction

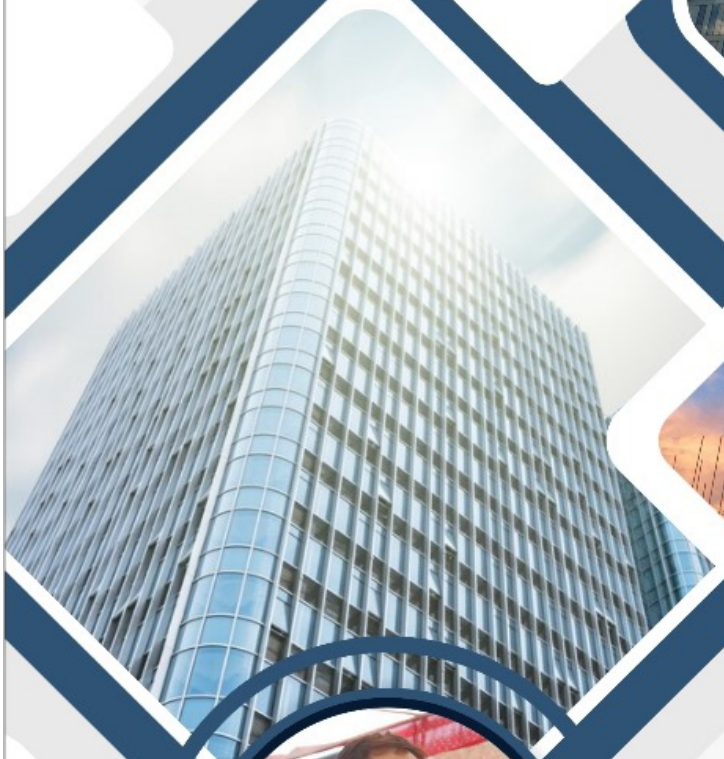

**SHASHI PAL KUMAWAT**

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

# कुमावत प्रगति ट्रस्ट

**पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **संरक्षक** | : | जयकिशन सोकिल | **मो. 9829125428** |
| **अध्यक्ष** | : | रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट | **मो. 9887440666** |
| **उपाध्यक्ष** | : | रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) | **मो. 9414074376** |
| **सचिव** | : | श्रीमती भारती तोंदवाल | **मो. 9414810584** |
| **कोषाध्यक्ष** | : | लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल | **मो. 9549656438** |
| **सदस्य ट्रस्टी** | : | सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल) | **मो. 9829056063** |
| | | रमेश कुमावत (गेदर) | **मो. 9414554322** |
| | | चेतन बालोदिया | **मो. 9414052736** |
| | | मोहन लाल कुमावत | **मो. 9887557425** |
| **मुख्य सलाहकार** | : | सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा) | **मो. 9414994006** |
| **सलाहकार** | : | गिरधारी लाल सिंघनवाल | **मो. 9414263429** |

**सम्पादक मण्डल :** रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, **सह-सम्पादक :** रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778 तथा मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

**व्यवस्थापक मण्डल :** महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

**पत्रिका सहयोगी :**

**छत्तीसगढ़ :** रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

**प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

**सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650**

**विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700**

**नोट 1 :** संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

**नोट 2.** 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

**बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385**

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

**स्वत्वाधिकार :** कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।


## सम्पादकीय

शादियों का सीजन प्रारम्भ हो चुका है, इसमें हमारे समाज के सैंकड़ों-हजारों युवा विवाह सूत्र में बंधेंगे, **इन सभी को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।** पर देखा जाता है कि इन शादियों, पार्टियों, उत्सवों की दावतों में भोजन अत्यधिक मात्रा में बर्बाद होता है। भोजन कचरे में डाल दिया जाता है यह अवांछित कृत्य है। विश्व की एक तिहाई जनसंख्या को दो वक्त भोजन नसीब नहीं होता वे दाने-दाने को मोहताज है। भारत में सम्पन्नता के साथ लोग भोजन के प्रति असंवेदनशील हो रहे हैं, भोजन झूंठा छोड़कर भोजन की बर्बादी हमारी भारतीय संस्कृति नहीं है। इसलिए **''उतना ही ले थाली में, न जाये वो नाली में।''** आयोजक पहले से NGO से फोन पर सम्पर्क रखें जिससे बचा भोजन वे शीघ्र ले जाकर गरीब लोगों में बांट सकें। नि:सन्देह गरीब आप सभी को दुआएं देंगे।

मैं यह बताना चाहता हूँ कि मुझे कुछ जैन परिवार के कार्यक्रमों में जाने का अवसर मिला, वहां भोजन झूंठा न छोड़े के बेनर लगे मिले तथा कुछ सीनियर सिटीजन डस्टबीन के पास खड़े मिले। जब कोई प्लेट में थोड़ा भी खाना छोड़कर प्लेट रखने आता तो वे हाथ जोड़कर प्लेट का पूरा खाना खाने के बाद ही प्लेट रखने का आग्रह करते थे। इससे उनके वहां जरा सा भी भोजन वेस्ट नहीं होता है। भोजन बचाने के लिए हमें अपनी आदतों में सुधार लाना होगा इसके लिए सामाजिक चेतना लानी आवश्यक है। हम सभी भी इस दिशा में सोचेंगे ऐसी आशा है। इससे जहां अन्न देवता का अनादर नहीं होगा वहां भोजन की बचत भी होगी। इसे समारोह, उत्सव, पार्टीज के साथ घर पर भी अपनाएं। एक स्वच्छ व सम्पन्न भारत बनाने में कुमावत समाज भी अग्रणीय बने। इससे गरीब को भी भोजन मिलेगा तथा विश्व से कुपोषण एवं भोजन के अभाव की समस्या दूर होगी। आप प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से पुण्य के भागी होंगे।

कुछ लोग जिनमें बच्चे व महिलाएं अधिक है, खाने के बाद टेबिल पर ही झूंठी प्लेट छोड़कर उठ जाते हैं, इससे अन्य लोगों को उस टेबल पर बैठने के लिए सफाई होने तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। यह प्रवृत्ति अनुचित है, हम स्वयं अनुशासित हों तथा परिवारजनों से भी अनुसरण करावें। इससे हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी और कुमावत समाज और अधिक सभ्य समाज के रूप में जाना जाने लगेगा।

**- रमेश कुमावत (गैदर)**

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।


| | |
|---|---|
| सम्पादकीय | 3 |
| कुमावत गौरव : अरुण कुमावत | 5 |
| कुमावत समाज के 9 जोड़े विवाह बंधन में बंधे | 5 |
| जयश्री कुमावत ने SGFI मैं जीता कांस्य पदक | 6 |
| सौरव को तैराकी में पदक | 6 |
| मिताक्षी को स्केटिंग में पदक | 6 |
| आर्टिस्ट अंजू कुमावत | 7 |
| शैली वर्मा RJS चयनित | 6 |
| समाजसेवी गणेश कुमावत की स्मृति पर 107 यूनिट रक्तदान | 7 |
| सामाजिक एवं स्वास्थ्य गतिविधियां संचालित | 7 |
| महिला स्वच्छता, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता की जागरूक के लिए पहल | 7 |
| श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था, जयपुर द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन | 8 |
| दिवाली मिलन समारोह एवं अन्नकूट प्रसादी | 8 |
| पुलिस हिरासत में सुनील कुमावत की मौत पर कार्यवाही के आदेश | 8 |
| पचार में कुमावत समाज की 500 प्रतिभाएं सम्मानित | 9 |
| भन्दे बालाजी में प्रतिभा सम्मान समारोह 1 दिसम्बर को | 9 |
| गौवंश को आवारा कहने पर लगायी रोक | 9 |
| समाजसेवी भामाशाह चेतन कुमावत का जन्मदिन मनाया | 9 |
| रिवाजों के पीछे भागने से पहले थोड़ा सोच लें | 10 |
| 16 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं चलाएंगे सोशल मीडिया | 10 |
| सरकारी स्कूल में लगवाया वाटर कूलर | 11 |
| चौथमल कुमावत जयपुर ग्रामीण जिलामंत्री निर्वाचित | 11 |
| चिकित्सा शिविर में 98 रोगी लाभान्वित | 11 |
| शादी: सनातन संस्कृति बनाम पाश्चात्य व अरब संस्कृति | 11 |
| दीपावली पर अनेक बच्चों की पटाखों से आँखे खराब | 12 |
| मनुष्य जीवन क्षण भंगुर है, इसे ईश्वर भक्ति में लगायें | 12 |
| रामलला मंदिर को प्रभात मित्र मंडल उज्जैन द्वारा दिया गया अनुपम उपहार | 13 |
| प्रकृति, कर्म और मानव | 14 |
| ट्रेन में गन्तव्य स्थान के लिए अलार्म सुविधा | 14 |
| वैवाहिक विज्ञापन | 15-18 |
| समाज में विवाह विच्छेद की बढ़ती खबरें | 19 |
| ''जय धन्वन्तरी, जय आयुर्वेद'' | 20 |
| जिन्दगी की सच्चाई | 20 |
| ढूंढिये वजह मुस्कुराने की | 21 |
| पिता की सीख | 21 |
| गोलगप्पे खाना कितना घातक ? | 22 |
| स्वास्थ्यवर्धक आँवला | 22 |
| तुलसी का महात्म्य | 23 |
| विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि | 23 |
| विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची | 25 |
| पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें | 26 |
| नावां का शुभम कुमावत पुरस्कृत | 27 |
| गोवर्धन योजना की लाभार्थी माया कुमावत | 27 |
| कुमावत समाज; सम्मलेन में 150 युवक-युवतियों ने दिया परिचय | 27 |
| विज्ञापन | 28-30 |

**अयोध्या के रामलला मंदिर समिति को भेंट किये चरण चिह्न। विस्तार से न्यूज पढ़े पेज 13 पर...**

# डॉ. अनूप कुमावत

डॉ. अनूप कुमावत का जन्म 12 जून 1988 को श्रीमती लक्ष्मी देवी-श्री घनश्याम कुमावत (भौरोदियाँ) निवासी झोटवाड़ा, जयपुर के यहां हुआ। अनूप कुमावत ने अपनी 12वीं तक की शिक्षा झोटवाड़ा में ब्रज बाल मन्दिर उच्च माध्यमिक विद्यालय से ग्रहण की। इन्होंने उच्च शिक्षा बी.कॉम, एम.कॉम. (ए.बी.एस.टी.) और पीएच.डी. की उपाधि राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से ग्रहण की। डॉ. कुमावत ने इसके अतिरिक्त सी.ए., सी.एस. और सी.एम.ए. भी किया हैं।

डॉ. कुमावत का विवाह वर्ष 2013 में समाज सेवी स्व. श्री गोपाल लाल गढ़वाल एवं स्व. श्रीमती आशा देवी की सुपौत्री और श्री मोहन सिंह गढ़वाल एवं श्रीमती शशि गढ़वाल की ज्येष्ठ पुत्री आकांक्षा गढ़वाल से सम्पन्न हुआ।

डॉ. कुमावत ने वर्ष 2013 में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के लेखाशास्त्र एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर बनाए गये। अपने कर्मठ कार्य व व्यवहार के कारण डॉ. कुमावत राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के लेखाशास्त्र एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष बने हैं। ये राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के लाइफ लॉन्ग लर्निंग विभाग में उप-निदेशक के रूप में भी कुशलता से कार्यरत है। ये बोर्ड ऑफ स्टडीज (बी.ओ.एस.) के सदस्य के रूप में पाठ्यक्रम डिजाइन करने में भी अपना निरंतर योगदान दे रहे हैं। इनके पास शिक्षण, शोध और अकादमिक प्रशासन में 10 वर्षों से अधिक का अनुभव है। डॉ. कुमावत द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आई.सी.ए.आई.) के एसोसिएट सदस्य हैं। ये विश्वविद्यालय वाणिज्य महाविद्यालय, जयपुर और राजस्थान विश्वविद्यालय के ए.बी.एस.टी. विभाग में क्रमश: स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं को अध्यापन करा रहे हैं। वर्तमान में इनके निर्देशन में छात्र-छात्राएं शोध कार्य भी कर रहे है। इनकी रुचि विशेष रूप से लेखांकन और कराधान के विषयों में है। इन्होनें जयपुर के कॉमर्स कॉलेज में उप-प्राचार्य के पद पर भी कार्य किया है। डॉ. कुमावत शोध कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विभागीय शोध समिति एवं शोध सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में भी शोध के क्षेत्र में अपना निरंतर योगदान दे रहे हैं। इन्होनें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में विभिन्न शोध-पत्र प्रकाशित किए हैं और साथ ही अनेकों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों में प्रतिभागी के रूप में भाग लेकर विभिन्न शोध-पत्रों का वाचन किया है। डॉ. कुमावत प्रतिष्ठित संस्थाओं यथा इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन, इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन और इंस्पिरा रिसर्च एसोसिएशन के आजीवन सदस्य भी हैं। डॉ. अनूप कुमावत की धर्मपत्नी श्रीमती आकांक्षा गढ़वाल भी बी.कॉम., एम.कॉम. (ए.बी.एस.टी.), सी.ए. (इन्टर) और एम.बी.ए. की है। श्रीमती आकांक्षा गढ़वाल जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में कनिष्ठ लेखाकार के पद पर कार्यरत है। डॉ. कुमावत के दो सुपुत्री सुश्री मनस्वी कुमावत और सुश्री भुविका कुमावत है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार डा. अनूप कुमावत के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

# कुमावत समाज के 9 जोड़े विवाह बंधन में बंधे

रामपुरा डाबड़ी। भट्टों की गली, रेलवे स्टेशन के पीछे 12 नवम्बर को देवउठनी एकादशी पर्व पर श्रीकुमावत समाज विकास संस्थान, चौमूं द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजित किया गया। जिसमें 9 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। सुबह बारात जाहोता ओवरब्रिज के पास आयी जहां पर पंडितों द्वारा दूल्हों का विधि-विधान से शिवाला कराया। इसके बाद में दूल्हों को घोड़ी पर बैठाकर बारात रवाना हुई। बाराती बैंडबाजे की धुनों पर नाचते-गाते रेलवे स्टेशन होते हुए विवाह के पांडाल पहुंचे, जहां दूल्हों ने तोरण की रस्म पूरी की। विवाह सम्मेलन में हजारों की तादाद में कुमावत समाज के लोग उपस्थित रहे। अतिथियों ने नव दंपतियों को आशीर्वाद दिया। 9 जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार संपन्न हुआ। सामूहिक विवाह सम्मेलन की अध्यक्षता भाजपा ओबीसी प्रकोष्ठ जयपुर जिला अध्यक्ष चेतन धुंधारिया ने की तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान पशुपालन मंत्री माननीय श्री जोगाराम कुमावत रहे। मंत्री कुमावत ने कहा कि हमें विवाह सम्मेलन के दौरान यह भी संकल्प लेना होगा कि हमें गो माता की रक्षा कैसे करें, गो माता को हमें सब को बचाना होगा। पूर्ण वैदिक मंत्रोचार के साथ विवाह की रश्में अदा कर विवाह सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में भोजन व टैंट की व्यवस्था भट्टों की गली ग्राम के कुमावत समाज के सहयोग से की गई।

## जयश्री कुमावत ने S G F I मैं जीता कांस्य पदक

68वीं राष्ट्रीय स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में किशनगढ़ निवासी ताइक्कांडो खिलाड़ी जयश्री कुमावत ने विदिशा एम.पी में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया कोच कृष्णकांत शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय चैंपियनशिप 7 नवंबर से 12 नवंबर 2024 तक विदिशा एम.पी में आयोजित की गई इस प्रतियोगिता CBSE, KVS, ओर सभी राज्यस्तरीय बोर्ड के प्रतिभागी खिलाड़ियों ने भाग लिया।

किशनगढ़ स्थित K.K ताइक्कांडो अकादमी की प्लेयर जयश्री कुमावत ने under-17 छात्रा, 42 भार वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर विश्व विख्यात मार्बल नगरी किशनगढ़ सहित कुमावत समाज का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया जयश्री कुमावत ने इस सफलता के लिए विगत काफी लंबे समय से अकादमी में कोच कृष्णकांत शर्मा के सानिध्य में तैयारी की जयश्री ने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता मंजू कन्हैयालाल कुमावत सहित परिवारजनों तथा अकादमी को समर्पित किया है जयश्री कुमावत नगर परिषद किशनगढ़ में कार्यरत AEN त्रिलोचन कुमावत की भांजी है। इस सफलता के लिए जयश्री की बहिन युक्तिका कुमावत का भी बहुत सहयोग रहा है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से जयश्री कुमावत को बधाई।

## सौरव को तैराकी में पदक

जयपुर में आयोजित 68वीं राज्य स्तरीय तैराकी की प्रतियोगिता में सौरव कुमावत पुत्र श्री चंद्रशेखर जी पालडिया ने 4×100 मेडले रिले में स्वर्ण पदक, 200 मी. ब्रेस्ट में रजत पदक एवं 100 मीटर ब्रेस्ट में कांस्य पदक जीत कर कुमावत समाज को गौरांवित किया है। सौरव कुमावत को हार्दिक बधाई।

## मिताक्षी को स्केटिंग में पदक

गुजरात में आयोजित सीबीएसई वेस्ट जोन स्केटिंग में मिताक्षी कुमावत सुपुत्री श्री कैलाश जी मानणिया ने कांस्य पदक जीत कर कुमावत समाज का नाम रोशन किया है। मिताश्री कुमावत को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

## आर्टिस्ट अंजू कुमावत

मणिकर्णिका आर्ट गैलेरी दिल्ली द्वारा रानी लक्ष्मी बाई कला अवार्ड 2024 के लिये राजस्थान से आर्टिस्ट अंजू कुमावत, जयपुर का चयन किया गया है, कुमावत समाज की इस बेटी ने पूर्व में भी अपनी बेहतरीन कला के माध्यम से कई राष्ट्रीय स्तर के अवार्ड से सम्मानित हो चुकी हैं। बधाई!

## शैली वर्मा RJS चयनित

शैली वर्मा पुत्री श्री राम प्रसाद वर्मा निवासी गोवर्धनपुरा, फुलेरा ने राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा (RJS) प्रथम प्रयास में ही चयनित होकर कुमावत समाज को गौरान्वित किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से शैली वर्मा को हार्दिक बधाई।

## वैवाहिक

### Karishma Kumawat

| | | |
|---|---|---|
| **Height** | : | 5-1 ft. |
| **DOB** | : | 2 December 1993 |
| **Qualifications** | : | Engeneering (IIST Indore)<br>Working at TCS<br>Job from 2015 |
| **Father name** | : | Mr. Hemendra Kumawat |
| **Mother name** | : | Mrs. Bhawna Kumawat |
| **Gotras** | : | **Self :** Gungavan<br>**Mother :** Jangade<br>**Dadi :** Bagdiya<br>**Nani :** Muleva |

**9, Azad Nagar, Ujjain (M.P.)**
**Mob. No. : 9826059188 and**
**Prof. B.K. Kumawat : 9229599028**

# समाजसेवी गणेश कुमावत की स्मृति पर 107 यूनिट रक्तदान

देवरिया। शाहपुरा जिले के पनोतिया गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में देवरिया निवासी समाजसेवी गणेश जी ठेकेदार की प्रथम पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में 107 यूनिट रक्तदान हुआ। कार्यक्रम में मांडल प्रधान शंकर लाल कुमावत, प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्र सह संयोजक प्रधानाचार्य डॉ. सत्य नारायण कुमावत, राम स्नेही शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय शाहपुरा के प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश मांडेला, सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के प्रदेश महामंत्री शंकर लाल छापरवाल (भाजपा मंडल महामंत्री बनेड़ा), जिला महामंत्री एडवोकेट मनोज कुमावत, कोटड़ी पूर्व प्रधान नीरज गुर्जर, शाहपुरा पूर्व प्रधान गजराज सिंह राणावत, पूर्व सरपंच रामनारायण भदाणिया आदि गणमान्य जनप्रतिनिधि एवं युवा शक्ति उपस्थित थे। **'रक्तदान-जीवनदान'** के इस महा अभियान में सभी के लिए कॉफी, अल्पाहार, फल आदि तथा सामूहिक भोजन की व्यवस्था थी। रक्तवीरों को दुपट्टा ओढाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

**'रक्तदान महादान'** है, यह जरुरतमंद का जीवन बचा सकता है, आईये, हम सभी ऐसे अभियानों से जुड़कर अपना योगदान दें।

*कुमावत वरिष्ठ नागरिक ट्रस्ट, उदयपुर*

# सामाजिक एवं स्वास्थ्य गतिविधियां संचालित

उदयपुर के वरिष्ठ नागरिकों के द्वारा गठित कुमावत वरिष्ठ नागरिक ट्रस्ट का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, मनोरंजन, भ्रमण एवं उनका कल्याण आदि का ध्यान रखते हुए विभिन्न गतिविधियों का संचालन करना है। इसके तहत सैंकड़ों वरिष्ठ नागरिक सदस्यता ले चुके हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिशंकर कुमावत सेवानिवृत्त संयुक्त आयुक्त जीएसटी हैं।

**भ्रमण एवं मनोरंजन :** इस ट्रस्ट द्वारा समाज के वरिष्ठ नागरिकों को अनेक स्थानों पर भ्रमण तथा मनोरंजन के लिए ले जाया जा चुका है। इस ट्रस्ट के एक वर्ष पूर्ण होने पर 5 अक्टूबर को घाटा वाली माताजी, ईंडाणा माता, भिंडर कालका माता, एलवा माता डूंगला, आवरी माता, सांवरिया जी, भदेसर भैंरू जी, अम्बा माता के दर्शनार्थ ले जाया गया जिसका न्यूनतम शुल्क मात्र 600 रुपए प्रति व्यक्ति रखा गया।

**स्वास्थ्य एवं वॉकथॉन :** स्वस्थ जीवन के लिए घुटना प्रत्यारोपण तथा स्वास्थ्य जानकारी के लिए इस ट्रस्ट ने ''वर्ल्ड स्ट्रोक डे'' पर पारस हैल्थ उदयपुर (हॉस्पिटल) के सहयोग से 10 नवम्बर को प्रात: उदयपुर में वॉकथॉन आयोजित की जिसमें समाज के वरिष्ठ नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सहभागियों को अस्पताल प्रशासन की ओर से स्वास्थ्य जानकारी के साथ-साथ टी-शर्ट एवं ब्रेकफास्ट भी उपलब्ध कराया गया।

**विदेश यात्रा :** ट्रस्ट द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए विदेश यात्रा कराने का निश्चय किया है जिसके तहत **प्रथम यात्रा दुबई जनवरी-फरवरी-2025 में प्रस्तावित है जिसमें 100 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने अपना पंजीयन कराया है।** इसके लिए एक वाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया है। जिनके पास पासपोर्ट नहीं है उनके लिए पासपोर्ट बनाने के लिए ट्रस्ट सलाह एवं सहयोग कर रहा है। इस विदेश यात्रा के संयोजन के लिए अन्य गतिविधियां भी ट्रस्ट द्वारा की जा रही है जिससे कि न्यूनतम खर्चे में वरिष्ठ नागरिक सहज रूप से विदेश यात्रा कर सकें।

# महिला स्वच्छता, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता की जागरूक के लिए पहल

लोटस इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट (लिफ्ट) और नेप फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आर्या ग्रुप ऑफ कॉलेज, दिल्ली रोड, जयपुर पर एक अभियान के तहत सैनिटरी नैपकिन पैड की स्वचालित वेंडिंग मशीन नि:शुल्क स्थापित की गयी। इस अवसर पर नेप फाउंडेशन के संस्थापक और लोटस इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक संजीव वर्मा व नमन कालरा उपस्थित रहे। नेप फाउंडेशन मुंबई में सामाजिक गतिविधियों से जुड़ी हुई अग्रिणी संस्था है। लोटस इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट (लिफ्ट) एक रजि.गैर सरकारी संघटन है जो राष्ट्रवाद, धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ी है और महिला और बालिकाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़े कार्य करती रही है और मेडिकल रक्तदान शिविर का आयोजन करती रहती है।

लिफ्ट के अध्यक्ष संजीव वर्मा ने बताया की शीघ्र ही संस्था की ओर से रोजगार मेला भी लगाया जायेगा जिसमें कई कंपनियों और कॉलेज के साथ मिलकर स्किल और अनस्किल लोगों को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाये जायेंगे।

## श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था, जयपुर द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन

श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था, जयपुर की ओर से 9 नवम्बर को श्याम नगर स्थित नेताजी सुभाष पार्क में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने एक-दूसरे को दीपावली की बधाई एवं शुभकामनायें दी व समिति में जुड़े नये सदस्यों का स्वागत सम्मान किया गया। समिति के वार्षिक लेखे जोखों का विवरण भी प्रस्तुत किया गया। समिति की वरिष्ठ संरक्षिका उमा माचीवाल ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्नेह मिलन समारोह जैसे कार्यक्रमों का आयोजन होते रहना चाहिए इससे हमारे त्योहार हमें आपसी भाईचारा, प्रेम, सौहार्द, एकता और हमारी रीति-रिवाजों के बारे में जानकारी मिलती है। समिति की अध्यक्ष सुनीता नांदीवाल ने कहा कि त्योहारों को हमें सभी आपसी भेदभावों को मिटाकर ओर एकजुट होकर मनाना चाहिए। त्योहार व रीति-रिवाज हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं और ये हमें एकता का संदेश देते हैं। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के पश्चात् घर से बनाकर लाये स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। समिति द्वारा शरद पूर्णिमा पर आयोजित कार्यक्रम **'शरद महोत्सव, रास घूमर'** में समाजसेवी व भामाशाहो का सहयोग प्राप्त हुआ। समिति की ओर सभी समाजसेवी व भामाशाहों का हार्दिक आभार व धन्यवाद।

## दिवाली मिलन समारोह एवं अन्नकूट प्रसादी

सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा की जयपुर शहर इकाई द्वारा दीवाली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ सोड़ाला के दुर्गा मैरिज गार्डन में दिनांक 17 नवम्बर, 2024 को मनाया गया। शहर अध्यक्ष पृथ्वीराज कैकटिया व मंत्री सोभागमल बधानिया ने कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं की।

इस कार्यक्रम में समाज के गणमान्य समाजसेवी अपने क्षेत्र के पारंगत व्यक्तियों, महिलाओं का सम्मान किया गया। प्रतिभावान बच्चों व युवाओं को भी सम्मानित किया गया। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामेश्वर बंबोरिया ने अपने संबोधन में सभी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया और पधारे अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत भजनामृत रसधारा के साथ हुई बीच-बीच में सांस्कृति प्रस्तुतियां भी दी गईं। कार्यक्रम में महासभा के अध्यक्ष के अतिरिक्त श्री रूपसिंह कारगवाल, श्रीमती सावित्री अनावड़िया, श्री सोहन जी अजमेरा, श्रीमती पूनम कुदीवाल, श्री अमरचंद जी, श्री संजीव वर्मा, श्री जीवराज, श्री मनोहर नाराणिया, सुश्री तारा, सरोज बड़ीवाल, सोनिया डाल, डॉ. मेघना आदि सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। मंच संचालन श्रीमती भारती तोंदवाल (प्रदेशाध्यक्ष महिला) ने किया।

## पुलिस हिरासत में सुनील कुमावत की गला दबाने से मौत पर कार्यवाही के आदेश

31 वर्षीय सुनील कुमावत की 8 जनवरी, 2022 को पुलिस हिरासत में गला दबाने से हुई मौत से जुड़े मामले में राज्य मानवाधिकार आयोग ने पुलिस कमिशनर जयपुर और पुलिस अधीक्षक नागौर को दोषी पुलिस कर्मचारियों व अन्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर शीघ्र विधिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने मामले की जांच उपअधीक्षक स्तर के अधिकारी से करवाकर विभागीय कार्यवाही रिपोर्ट आयोग के समक्ष पेश करने का निर्देश भी दिया है। साथ ही सुनील कुमावत के परिजनों को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने के आदेश दिए हैं। न्यायिक जांच में मौत गले पर चोट तथा गला दबाने से होना बताया गया था जिसमें कांस्टेबल इकबाल खां, राजूराम और धर्मी मीणा की परिवादी पक्ष के व्यक्ति शिवलाल व बाबूलाल तथा निजी वाहन चालक नदीम अहमद के साथ आपराधिक षड़यंत्र माना गया है।

इस मामले की पैरवी **रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट** द्वारा मानवाधिकार आयोग के समक्ष की जाकर यह राहत दिलाई गई है।

# पचार में कुमावत समाज की 500 प्रतिभाएं सम्मानित

दांतारामगढ़ के पचार में कुमावत सेवा समिति के 12वें प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत एवं दांतारामगढ़ से भाजपा प्रत्याशी गजानन्द कुमावत थे तथा अध्यक्षता पचार के पूर्व उपसरपंच रामेश्वर लाल नेमीवाल थे। समारोह में कक्षा 10, 12, स्नातक तथा उच्च शिक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले कुमावत समाज के प्रतिभावान 500 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर कुमावत स्मारिका का भी अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय श्री जोराराम कुमावत ने कहा कि कुमावत समाज का सरकारी सेवाओं, व्यापार और राजनैतिक क्षेत्र में भागीदारी कम है। इसके लिए शिक्षा के क्षेत्र में समाज को अग्रसर होने की जरूरत है। युवाओं को आरएसएस में चयनित होने पर 51 हजार रुपये तथा आईएएस में चयनित होने पर 1 लाख रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

समारोह में पद्मश्री डॉ. सूण्डाराम कुमावत, पचार सरपंच राहुल कुमावत, प्रभुदयाल कुमावत, वनमंत्री के OSD गोपाल चेजारा, कुमावत सेवा समिति अध्यक्ष नेमीचन्द किरोड़ीवाल, महामंत्री कैलाश राहोरिया, उपाध्यक्ष नगरपालिका दांता, कोषाध्यक्ष भंवरलाल पलसाना, उपाध्यक्ष सुनील अरावंडिया व सदस्य पन्नालाल नेमीवाल कुली, भंवरलाल बेडवाल पचार एवं चिरंजीलाल सिरस्वा, युवा समिति अध्यक्ष नवीन सिरस्वा,कोषाध्यक्ष पेंटर भालुराम, दुर्गेश जिलन्द्रा दांता, जयप्रकाश पचार सहित अनेक समाजजन उपस्थित थे। मंच संचालन पी.डी. कुमावत ने किया तथा स्काउट गाइडों का सहयोग रहा।

# भन्दे बालाजी में प्रतिभा सम्मान समारोह 1 दिसम्बर को

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा क्षत्रिय समिति, जयपुर ग्रामीण व दूदू की ओर से कुमावत समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 1 दिसम्बर, 2024 को प्रात: 9.15 बजे कुमावत समाज सामूहिक विवाह एवं विकास समिति भवन उगरियावास रोड, भन्दे बालाजी, दूदू में आयोजित किया जा रहा है। समारोह में वर्ष 2023-24 में कक्षा 10 एवं 12 के 80 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, समाज के IAS, RAS, RJS, CA, Dr. एवं समकक्ष प्रतिभाओं, शिल्प एवं स्थापत्यकला में अग्रीम प्रतिभाएं सामाजिक एवं राजनीतिक प्रतिभाएं जिनमें सरपंच, पं.स. सदस्य, जिला परिषद सदस्य, विधायक एवं मंत्री, पूर्व मंत्री तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रिक मीडिया में सक्रिय समाजबंधओं, पत्रकारों का सम्मान किया जाना ज्ञात हुआ है।

# गौवंश को आवारा कहने पर लगायी रोक

गौरक्षकों द्वारा लगातार गौ माता को राज्य माता घोषित किए जाने की मांग के बीच राजस्थान सरकार द्वारा गौवंश के लिए आवारा संबोधन पर बैन लगा दिया है।

गाय राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर के साथ साथ गौ जनित उत्पाद आयुर्वेद के लिए औषधीयकारक भी हैं। इसलिए गाय की उपयोगिता को समझते हुए गौवंश को आवारा कहकर अपमानित नहीं किया जा सकता। राजस्थान सरकार के पशुपालन एवं गौपालन मंत्री जोराराम कुमावत के इस फैसले से आमजन और प्रशासन की मानसिकता में सुधार होगा।

# समाजसेवी भामाशाह चेतन कुमावत का जन्मदिन मनाया

समाजसेवी, भामाशाह व भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया। उनके शुभचिंतकों व कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह केक काटकर व स्वागत कर व बधाई देकर जन्मदिन मनाया। उनके निवास पर जन्मदिन के मौके पर शुभचिंतकों का पूरे दिन बधाई देने वालों का तांता लगा रहा साथ ही लोगों ने एक दूसरे की दीपावली की शुभकामनाएं दी। टीम चेतन धुंधारिया द्वारा चेतन कुमावत का माला, साफा व पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। शंकर बालोदिया वंदना फ्लावर्स व फूल मंडी एसोसिएशन द्वारा कुमावत का माला व साफा पहनाकर पुष्पवर्षा की गई। टी-गायक मोहन कुमार बालोदिया ने 'बार-बार दिन ये आये...' गाना गाकर अपने अंदाज में बधाई दी।

चेतन कुमावत ने कहा कि समाज का प्यार हमारे साथ है। हमेशा रहा है और हमेशा रहेगा। उन्होंने सबका शुक्रिया किया और कहा कि आप सब हमारी शक्ति हैं, हमारे हर कार्य में हमारा सहयोग करने के लिए हमारे साथ खड़े होने के लिए सभी का शुक्रिया करते हुए और आप लोगों का साथ दिन प्रतिदिन इसी प्रकार से बना रहे।

# रिवाजों के पीछे भागने से पहले थोड़ा सोच लें

**क्या उचित है,** क्या अनुचित और किधर जाना है, किधर नहीं जाना, इसका फैसला करना मनुष्य जानता है और दैनिक जीवन में करता भी है। लेकिन कई बार सामान्य बातों में निर्णय लेते हुए जो विवेक तेजी से काम करता है, समस्या सामने आने पर वह कुंठित हो जाता है।

परंपराओं के हम इतना पिछलग्गू हो गए हैं कि कई बार हमारे लिए विवेक से काम लेना मुश्किल हो जाता है। नहीं तो आंखें बंद कर परंपराओं के पीछे पानी में बहते तिनके के समान हम नहीं बहने लगते। ठीक वैसे ही जैसे झुंड जिधर भी चल पड़े, उसी और साथ भेड़ें चलती जाती हैं। यदि एक भेड़ कुएं में गिर पड़े, तो उसके पीछे आने वाली सभी भेड़े कुएं में गिरने लगती है। यह होता है देखा-देखी में चलने का नतीजा।

समाज में प्रचलित कितनी ही प्रथाएं ऐसी हैं, जिनमें लाभ रत्ती भर भी नहीं है। देखा जाए तो उनमें हानि ही हानि नजर आती है, पर एक की देखा-देखी दूसरा करने लगता है। कुछ भ्रांतियों से प्रेरित होकर मौज-मस्ती, कुछ शेखी बधारने के लिए। कई बार दूसरे की देखा देखी कोई नशीली वस्तुओं को अपना लेता है और बाद में एक आदत से चिपक जाता है। इसमे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर असर पड़ता है। आर्थिक नुकसान भी होता है। व्यवहार में भी परिवर्तन होने लगता है। क्रोध, आवेश, चिंता, निराशा, आलस्य, अविश्वास जैसे कितने ही मानसिक दुर्गुण उपजने लगते है। समझाने या स्वयं विचार करने पर अपनी बुराई का पता भी चल जाता है, लेकिन विवेक सही दिशा में निर्णय नहीं कर पाता है।

कुरीतियों से आज समाज इतना जर्जर हो रहा है कि सहज रूप में जीवन यापन करना भी चुनौती बन गई है। पारिवारिक सामाजिक जिम्मेदारियों की बात करें तो बच्चों को पढ़ाने, उनका विवाह करने जैसे चिंताएं माता-पिता को परेशान कर रही हैं। जीवन भर की गाढ़ी कमाई इसमें फूंक देनी पड़ती है। दहेज और सामाजिक आयोजनों के चक्कर में मध्यम वर्गीय परिवारों को क्षमता से अधिक खर्च करना पड़ता है। मुंडन, जनेऊ, मृत्युभोज आदि दूसरे लोग ऐसा कर रहे हैं, हम क्यों न करें। विवेक का ऐसी हालात में परास्त हो जाना आम बात है। आम इंसान इन सबसे छुटकारा पाने के लिए छटपटा रहा है, लेकिन उसे कोई रास्ता नहीं दिखाई पर पड़ता है।

**हमें हर कार्य या बात को उचित-अनुचित की कसौटी पर कसना सीखना होगा। जो उचित हो, वहीं करें, जो अपनाने योग्य हो, वहीं ग्रहण करें, जो करने लायक हो, वही करें।** लोग क्या कहते हैं, क्या कहेंगे जैसे प्रश्नों पर विचार करते समय हमें सोचना होगा कि समाज में दो तरह के लोग हैं। एक विचारशील, दूसरा अविचारी। विवेकशील पांच व्यक्तियों की संपत्ति अविचारी पांच लाख व्यक्तियों की संपत्ति के समान वजन रखती है। विवेकशीलों की संख्या सदा ही कम रही है। वन में सिंह थोड़े और सियार बहुत रहते हैं। सिंह की एक दहाड़, हजारों सियारों की हुआं-हुआं से अधिक महत्व रखती है। विचारशील वर्ग के थोड़े से व्यक्ति कदम बढ़ाने का दृढ़ निश्चय कर लें, तो व्याप्त विकृतियां वैसे ही दूर हो जाएंगी, जैसे प्रचंड सूर्य का उदय होते ही कुहासा छंट जाता है।

**- डॉ. चिन्मय पाण्ड्या से साभार**

### ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बनीज ने लिया फैसला

# 16 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं चलाएंगे सोशल मीडिया

कैनबरा। ये शायद दुनिया में पहली बार होगा जब किसी देश की सरकार एक निश्चित उम्र से कम के लोगों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाएगी। ऑस्ट्रेलिया में ऐसा होने जा रहा है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने 16 साल के कम उम्र के किशोरों के फेसबुक, एक्स, टिकटॉक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने प्रस्तावित विधेयक के बारे में जानकारी दी है। कानूनों के बारे में जानकारी देते हुए अल्बनीज ने कहा, ये कानून मां-बाप के लिए है। वे मेरी तरह, अपने बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित हैं। मैं ऑस्ट्रेलियाई परिवारों को बताना चाहता हूं कि सरकार उनके साथ है। प्रतिबंधों के बारे में बताते हुए अल्बनीज ने साफ किया कि यूजर्स पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। इसे लागू करना ऑस्ट्रेलिया के ई-सुरक्षा आयुक्त की जिम्मेदारी होगी। यह कानून पारित होने के 12 महीने बाद से प्रभावी होगा और इसकी समीक्षा की जाएगी।

**बच्चों के लिए सोशल मीडिया को बताया खतरा**

अल्बनीज ने आगे कहा कि मैं आपके बारे में नहीं जानता, लेकिन मेरे सिस्टम पर ऐसी चीजें आती हैं जिन्हें मैं नहीं देखना चाहता। एक 14 साल के बच्चे की तो बात ही छोड़िए। ये टेक कंपनियां अविश्वसनीय रूप से शक्तिशाली हैं। इन एप्स में ऐसे एल्गोरिदम हैं जो लोगों को कुछ खास व्यवहार करने के लिए प्रेरित करते हैं। चीन भी बच्चों का सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने को लेकर चिंतित है। सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे कन्टेन्ट्स आते हैं जिन्हें देखना बच्चों के लिए उचित नहीं है। अत: हमें भी बच्चों के प्रति सचेत रहने की जरूरत है।

## सरकारी स्कूल में लगवाया वाटर कूलर

भामाशाह द्वारा पंचायत समिति, माधोराजपुरा के उच्च प्राथमिक विद्यालय कुंदनपुरा प्रथम में नौनिहालों के लिए RO एवं वाटर कूलर का शुभारंभ कराया गया।

श्रीमती भारती तोंदवाल ने एक प्रेरक के रूप में योगदान किया। इस क्षेत्र में अत्यधिक फ्लोराइड की समस्या की वज़ह से इस स्कूल को चुना गया। श्रीमती भारती तोंदवाल का समस्त ग्रामवासियों द्वारा स्वागत किया गया। श्रीमती भारती तोंदवाल ने कहा कि ऐसे विद्यालयों में दानदाताओं एवं भामाशाह की जरूरत है, जो इन बच्चों के स्वास्थ्य के लिये सरकारी सहायता के अतिरिक्त आगे आकर अपना योगदान कर सकें।

### राजस्थान शिक्षक संघ

## चौथमल कुमावत जयपुर ग्रामीण जिलामंत्री निर्वाचित

चौमूं। श्री चौथमल कुमावत, राजस्थान शिक्षक संघ जयपुर ग्रामीण के जिला मंत्री निर्वाचित हुए हैं। कुमावत समाज के गणमान्य लोगों ने श्री चौथमल कुमावत का जिला मंत्री ग्रामीण निर्वाचित होने पर अभिनन्दन किया। ये पहले 3 वर्षों तक जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं। श्री चौथमल ने अपनी निष्ठा, लगन, मेहनत तथा कर्तव्य के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, यह कुमावत समाज के लिए गौरव की बात है। इन्होंने सदैव शिक्षक हितों को सर्वोपरि मानकर कार्य किया है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, समाजसेवी व भामाशाह जयकिशन सोकिल, सोहन लाल मामोडिया, पूर्व समाज अध्यक्ष गजानन्द कुमावत, शहर भाजपा नगर अध्यक्ष चौमूं, डॉ. जितेन्द्र कुमावत, मीडिया प्रवक्ता ओम प्रकाश मामोडिया, श्याम सुन्दर मामोडिया, अर्जुन लाल लोहरवाडिया, भागचन्द कुमावत, अमित राजोरिया आदि उपस्थित थे।

## चिकित्सा शिविर में 98 रोगी लाभान्वित

पतंजलि योग समिति एवं राजकीय जयनारायण आयुर्वेद चिकित्सालय के तत्वावधान में नि:शुल्क निदान एवं उपचार अग्नि कर्म चिकित्सा शिविर में 98 लोग लाभान्वित हुए।

शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी जे. एस. राजावत व आदित्यकिशोर शर्मा ने धन्वंतरि की पूजा अर्चना करके किया।

पतंजलि योग समिति तहसील प्रभारी **प्रभुदयाल कुमावत ( तूनगरिया )** ने बताया कि अग्नि कर्म चिकित्सा पद्धति द्वारा लोगों को वर्षों पुरानी बीमारियों से राहत मिली। ज्ञातव्य रहे कि श्री प्रभुदयाल कुमावत योग क्लासेज के माध्यम से लोगों के स्वास्थ्य का अभिनव कार्य भी कर रहे हैं।

## शादी: सनातन संस्कृति बनाम पाश्चात्य व अरब संस्कृति

पश्चिमी एवम् अरब संस्कृति में शादी एक अनुबन्ध (Contract) है। जबकि भारतीय सनातन संस्कृति में शादी को जन्म-जन्मान्तर का सम्बन्ध (Relation) मानते आए हैं। इसका मौलिक कारण नारी के प्रति अलग-अलग संस्कृतियों का अलग-अलग दृष्टिकोण है।

अनुबन्ध हमेशा वस्तुवादी धारणा से किया जाता है अत: इसमें वाणिज्यिकता की प्रमुखता रहती है तथा इसमें समय सीमा का बन्धन साथ में अदृश्य रूप से जुड़ा रहता है। अत: ऐसी संस्कृति में तलाक़ एवं Divorce की घटना एक सामान्य बात मानी जाती है। एक सर्वे के अनुसार अमेरिका में पचास प्रतिशत शादियों का अंत Divorce (विवाह-विच्छेद) के रूप में होता है।

पर सनातन संस्कृति की भाषा में प्राचीन काल से शादी को तोड़ने के लिए कोई शब्द ही नहीं बना। क्योंकि शादी तो जन्म-जन्मान्तर का सम्बन्ध माना गया है। इसके पीछे का दर्शन नारी को लक्ष्मी तुल्य महत्त्व देना है। इसलिए **'नारी तू नारायणी'** की परिकल्पना हमारे ग्रंथों में की गई है । यह सिद्धांत आज के पश्चिम के **'नारी पुरुष बराबरी'** के सिद्धांत से बहुत उच्च श्रेणी का है। क्योंकि बराबरी में तुलना (Comparison) की बू आती है तथा तुलना को Thief of Joy कहा गया है। Comparison is root cause of all evil . अत: सनातन संस्कृति में नारी का स्थान बहुत उच्च श्रेणी का मानते हुए **'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:'** का उल्लेख किया गया है।

इस प्रकार आजकल हम 'नारी पुरुष बराबर' के सिद्धांत को पश्चिम की नई विचारधारा समझकर उसके पीछे भागने की कोशिश से बचकर हमें तो **'नारी तू नारायणी के सिद्धांत'** को अपनाना चाहिए। हमें नारी एवं पुरुष का अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग महत्त्व को समझना चाहिए।

**-एस आर सिंघाटिया**

# दीपावली पर अनेक बच्चों की पटाखों से आँखे खराब

जब से बारूद का आविष्कार हुआ, पटाखे भी बनने लगे और पटाखों को विजय, बरात, त्यौहार एवं उत्सवों पर छोड़ा जाने लगा। पटाखें चलाने का सबसे अधिक प्रचलन दिपावली के त्यौहार पर होने लगा। तेज आवाज एवं रंग-बिरंगी रोशनी निकलने से लोगों में पटाखों का आकर्षण हर वर्ष बढ़ने लगा, अमीर तो क्या गरीब परिवार भी दिपावली पर पटाखें के मोह में फंस गया।

पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं की ओर लोगों का ध्यान ही नहीं जाता। अनेक जगह आग लगने से जान-माल की हानि होती है। वहीं पटाखों से बेजान पशु-पक्षी, मासूम शिशु तथा बीमार वृद्धों को कितनी परेशानी होती है इसका आभास ही लोगों को नहीं है, इन लोगों से ध्वनी प्रदूषण एवं वायु प्रदूषण की समझ की बात करना तो बेमानी है। इस दिवाली कितने लोग पटाखों से घायल हो गये हैं इसकी बानगी भी देखना चाहिये।

इस बार राजस्थान में 500 से अधिक लोग पटाखों से जलकर घायल हो गये, सर्वाधिक घटनाएं जयपुर में 200 से अधिक हुई। केवल राज्य के सबसे बड़े अस्पताल की बात SMS की बात करें तो दीपावली पर लगभग 150 लोग ईलाज के लिए पहुंचे, इनमें से गम्भीर रूप से घायल 15 से भी अधिक रहे, जिनकी आँखों का ऑपरेशन किया गया। इनमें से किसी की आंख को निकालना पड़ा तो किसी की आंख की रोशनी सदा के लिए चली गई। कुछ मामलों में तो दूसरे लोगों ने पटाखे चलाये और पड़ौस में खड़े लोग पटाखें का शिकार हो गये। पूरे प्रदेश तथा देश में पटाखों से जले व्यक्तियों की संख्या हजारों लाखों की तो है ही। इनमें अधिकांश बच्चे होते हैं, उनकी आंखें पटाखों से क्षतिग्रस्त हो जाती है तो उनका पूरा जीवन अंधकारमय हो जाता है।

घायल हुई भावना (19 वर्ष) निवासी बाड़ी, धौलपुर की दोनों आँखें खराब हो गई और शरीर का कुछ भाग जल गया। बुहाना, झुंझुनूं के यश (8 वर्षीय) पास खड़े लड़के के पटाखा बन्दूक चलाने से उसकी आंख में गहरी चोट आई। जयपुर के हरिष्का (11 वर्षीय) की आंख पटाखा चलाने से खराब हो गई जिसका ऑपरेशन किया गया। अलवर के करणसिंह (7 वर्षीय), नागौर के 10 वर्षीय राजकुमार तथा निवाई, टोंक के 12 वर्षीय अभिषेक की आंख भी चोटग्रस्त हुई। कई जीव जन्तु जो सड़कों और पेड़ों पर रहते हैं कई दिनों तक पटाखों की वजह से भयभीत होकर इधर-उधर भूखे-प्यासे भटकते रहते हैं।

दीपावली अमावस्या की रात को मनाई जाती है, इस दिन अंधेरे को मिटाने के लिए दीप प्रज्ज्वलित किये जाने की परम्परा हैं। इस शुभ दिन को मनाने के लिए कई दिन पूर्व से तैयारी की जाती है। किन्तु घर के चिरागों का जीवन का उजियारा ही पटाखों के कारण अंधकारमय हो जावे तो पटाखों को चलाने पर विचार करना होगा। वैसे भी पटाखे चलाने और दीपावली का परम्परागत व आवश्यक सम्बन्ध नहीं है। **दीपावली, दीपों का त्यौहार है न कि पटाखों का** बच्चे कम आवाज वाले ग्रीन पटाखे बड़ों की उपस्थिति में सेफ्टी चश्मा पहनकर चलाएं। मनोरंजन के साथ सुरक्षा का ध्यान रखना ही श्रेष्ठतम उपाय है। इससे दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है।

# मनुष्य जीवन क्षण भंगुर है, इसे ईश्वर भक्ति में लगायें

यह जगत दु:खों से भरपूर है, इसलिए इसे दु:खों का घर भी कहा जाता है। जीव का माता के गर्भ में आने से लेकर मृत्यु तक दु:ख ही दु:ख है। शास्त्रों में मानव देह को दुर्लभ बतायाग या है जो ईश्वर की विशेष कृपा से मिलती है। मनुष्य जीवन में जो भगवान को प्राप्त करने की चेष्टा करता है उसका जीवन ही सफल है। इसके विपरीत जो मनुष्य इस जीवन में भी शारीरिक सुख प्राप्ति की कोशिश करता है उसे इन विषय भोगों में वास्तविक सुख नहीं मिलता है। वह बार-बार जन्म-मृत्यु के चक्रव्यूह में फंस जाता है। जीवन क्षण भंगुर है, कब खत्म हो जाये पता नहीं। अत: मानव जीवन में ईश्वर का ध्यान करें व उन्हें प्राप्त करने के लिए उनके बताये मार्ग पर चलकर उन्हें प्राप्त करने की चेष्टा करना ही उचित है।

मन चंचल होता है तथा सांसारिक विषयों में भटकता रहता है, इससे प्रभु से ध्यान हटता रहता है, इसलिए गीता में भगवान कृष्ण ने कहा है—

**यतो यतो नि चरति मनश्चज्चलमस्थिरम्।**
**ततस्ततो नियम्यैतदात्यमन्येव वंश नयेत्।।**

(6ठां अध्याय 26वां श्लोक)

अर्थात् यह स्थिर रहने वाला और चंचल मन जिन शब्दादि विषयों के निमित्त संसार में विचरता है, उन विषयों से रोककर इसे बार-बार परमात्मा में ही आसक्त करें। इस अभ्यास को करने से मन पर नियंत्रण हो सकेगा। जब मन परमात्मा में स्थिर हो जायेगा तो साधक को आनन्द की प्राप्ति हो जायेगी। वे ईश्वर के ध्यान में रहने लगेंगे। ऐसे भक्त ईश्वर की शरण में आ जाते हैं। ऐसे मनुष्य ईश्वर की पूजा व भक्ति करके ईश्वर को प्राप्त हो जाते हैं व उनकी आत्मा को जन्म-मृत्यु से छुटकारा मिल जाता है। यह केवल मनुष्य देह में ही सम्भव है। इसलिए कई महापुरुष जन्म-मृत्यु के चक्र से स्वयं को मुक्त कर पाये हैं।

# रामलला मंदिर को प्रभात मित्र मंडल उज्जैन द्वारा दिया गया अनुपम उपहार

अयोध्या धाम में श्री रामलला का मंदिर बनना एक वैश्विक घटना है। मन्दिर के शिलान्यास एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह का राष्ट्र के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र जी मोदी की मंगल सन्निधि में सम्पन्न होना देश के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

इस भव्य एवं दिव्य मन्दिर के लिए देश विदेश की विभिन्न संस्थाओं द्वारा असंख्य उपहार दिये गये। ''प्रभात मित्र मण्डल उज्जैन'' एक लोकप्रिय संस्था है, आजकल प्रो. बालकृष्ण कुमावत इसके अध्यक्ष पद पर है। **'कुमावत इंडिया' पत्रिका के प्रकाश सी.एम. कुमावत तथा सम्पादक रमेश गेदर 18 नवम्बर ,2024 को उनके 88वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर मिले तथा जन्मदिन की शुभकामना दी।** प्रो. बालकृष्ण कुमावत ने 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को बताया कि प्रभात मित्र मण्डल उज्जैन के एक वरिष्ठ सदस्य श्री गणपत लाल अग्रवाल ने यह विचार प्रकट किया कि उज्जैन नगर द्वारा भी एक विलक्षण उपहार रामलला के मन्दिर को भेजना चाहिए। इस विचार को सर्वसम्मति से स्वीकार करके इस कार्य को सम्पन्न करने हेतु प्रो. बालकृष्ण कुमावत एवं श्री गणपतलाल अग्रवाल को अधिकृत किया गया। गहन मंथन और विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि **श्री राम-सीता के चरण चिन्हों की एक रजत मण्डित अनुकृति** तैयार कराई जाये। उज्जैन के एक दक्ष कलाकार ललित सोनी से इस अनुकृति को 4.25 × 3.25 फीट के पट्ट पर उत्कीर्ण कराया गया।

श्री रामलला मन्दिर निर्माण ट्रस्ट के महासचिव माननीय श्री चम्पतराय जी से सम्पर्क करके इस उपहार को समर्पित करने की स्वीकृति प्राप्त की तथा अयोध्या धाम तीस सदस्यों का प्रतिनिधि मंडल गया।

सभी ने श्री रामलला मन्दिर निर्माण ट्रस्ट के महासचिव माननीय चम्पतराय जी को रजत मण्डित अनुकृति दिखाई। प्रो. बालकृष्ण कुमावत द्वारा रचित एक ग्रन्थ ''**आतंक निर्मूलनं रामराज्य**'' उन्हे भेंट किया। ग्रन्थ का कुछ समय अवलोकन करने के बाद उन्होंने प्रशंसा की तथा भेंट की जा रही अनुकृति को ट्रस्ट स्वीकार कर इसे निर्माणाधीन विशाल संग्रहालय में दर्शनार्थ रखने हेतु कहा।

इस अनुपम भेंट का वित्तीय भार श्री गणपतलाल जी अग्रवाल ने वहन किया। शेष सदस्यों ने भी पग-पग पर अपने सक्रिय सहयोग से अनुग्रहीत किया। अयोध्या धाम में एक संक्षिप्त प्रेस वार्ता में प्रो. बालकृष्ण कुमावत एवं श्री गणपतलाल अग्रवाल के संक्षिप्त उद्बोधन भी हुए।

इस सुखद यात्रा के निर्बाध सम्पन्न होने का मूल कारण रामलला की कृपा ही है।

**''राम कीन्ह चाहइ सोई होई**
**करे अन्यथा अस नहिं कोई ।।''**

**जटायु की कथा से आया चरण चिह्न बनवाने का विचार**

सभी रामायणों में और विशेषत: महारामायण में भक्तवर गिद्धराज जटायु का एक रोचक प्रसंग वर्णित है। पंचवटी में एक ऊंचे वृक्ष पर बैठकर जटायु धरती पर श्रीराम-सीता के चरण चिन्हों को देखा करते थे और इन चरण चिन्हों का ही ध्यान करते थे। महाराजा दशरथ के मित्र होने के नाते श्री राम जी उन्हें पिता तुल्य ही मानते थे। जटायु ने श्रीराम जी को यह कहा था कि जब राम जी बाहर रहेंगे तो वे सीता जी की रक्षा का सतत ध्यान रखेगें। धरती पर चलते समय श्रीराम जी व सीता जी के चरण चिन्हों की आकृति को स्पष्ट रूप से देखते रहते थे। श्रीराम जी के दाहिने चरण में 24 चिन्ह थे और बायें चरण में भी 24 चिन्ह थे। श्री सीताजी के चरणों में भी इतने ही चिन्ह थे। जो चिन्ह श्रीरामजी के दाहिने चरण में थे वे ही श्री सीताजी के बायें चरण में थे और जो चिन्ह श्रीरामजी के बायें चरण में थे, वे ही श्री सीताजी के दाहिने चरण में थे। इस प्रकार कुल 48 चिन्हों की आकृति और महिमा का विस्तृत विवरण महारामायण में है।

**सीता जी का हरण और जटायु का रावण से युद्ध** के बारे में प्राय: सभी जानते ही हैं।

राक्षसराज रावण जब सीताजी का अपहरण करके आकाश मार्ग से ले जा रहा था तो सीताजी की कृन्दन सुनकर जटायु ने रावण को ललकारा, रथ को रोका और रावण से भीषण युद्ध किया। रावण भयभीत हो गया था। उसने क्रोध में आकर तलवार से जटायु के पंख काट दिये। **जटायु घायल अवस्था में पड़े हुए श्रीरामजी की प्रतीक्षा करते रहे और उन्हीं चरण चिन्हों का ध्यान करते हुए अपने प्राणों को रखे हुए थे।** श्रीरामजी और लक्ष्मणजी जब लौटे तो घायल अवस्था में जटायु को देख श्रीराम जी ने उन्हें अपनी गोद में ले लिया। जटायु ने सारा वृतान्त सुनाया और कहा कि दुष्ट रावण सीताजी को दक्षिण दिशा में ले गया है। श्रीरामजी ने जटायु से पूछा कि मैं आपके प्राणों को वापस ला देता हूँ, तो जटायु बाले प्रभु! आपकी गोद में प्राण चले जायें इससे अधिक दुनिया में मेरे लिए कुछ नहीं है। आपके दर्शन के लिए ही प्राण रखे हुए था। भगवान श्रीराम ने उनके दाह संस्कार की सारी क्रिया अपने हाथों से की। श्रीरामजी बोले कि हे तात! आपने अपने कर्मो से सद्गति पाई है, अत: मेरे धाम में जाइये। जिनके मन में परहित की भावना होती है, उनके लिए जगत में कुछ भी दुर्लभ नहीं है। इस प्रकार जटायु राम कार्य के प्रथम शहीद थे, जिन्होंने राष्ट्र की ललना की रक्षा में अपने प्राणों का उत्सर्ग कर दिया।

# प्रकृति, कर्म और मानव

इस विशाल-विराट ब्रह्माण्ड में जो नियम, जो व्यवहार और जो आचार संहिता सर्वोपरि है, वह है कर्म अर्थात् कर्त्तव्य निष्पादन। सृष्टि का प्रत्येक अवयव अपने अपने नियत कर्म में संलग्न है। दिशाएं, आकाश, सूर्य, चन्द्रमा, तारागण, पवन, पृथ्वी, सभी अपने अपने कर्म में प्रवृत्त है, अहर्निश। प्रकृति की प्रत्येक क्रिया, प्रत्येक गति कर्म प्रेरक है और हमें इसकी अर्थात् प्रकृति की व्यापकता का अहसास कराती रहती है। सभी प्राकृतिक विधाएं अपने निर्धारित कर्म पथ पर निरन्तर और अनवरत रुप से गतिमान है। सृष्टि का कोई भी अंग यदि अपने कर्म से तनिक भी विचलित हो जाये तो वहीं महाप्रलय का कारण बन सकता है। अत: कर्म और अनवरत कर्म अर्थात् निर्धारित कर्तव्य का नियमित और निष्ठापूर्वक पालन करना, यही प्रकृति का अटल नियम है और यही प्रकृति की प्रकृति है। मानव मात्र के लिये प्रकृति का यही संदेश भी है। कर्म की यह प्रक्रिया, यह क्रम तथा आचार समग्ररुप से अनुशासित है और यह अनुशासन भी कठोर एवं शाश्वत है। इस प्रकार मनुष्य के लिये संदेश यही है कि अपना कर्त्तव्य-कर्म करते रहें सतत समर्पित और निष्काम भाव से, पूर्ण निष्ठा और आत्मविश्वास से।

प्रकृति की भाँति मनुष्य भी कर्म किये बिना नहीं रह सकता। प्रति क्षण उसे कुछ न कुछ करना ही है। कुछ कर्म तो स्वाभाविक और सहजरुप में होते रहते हैं यथा निजी दैनिक कर्म और कुछ कर्म विचार और लक्ष्य आधारित होते हैं। हमारी यह चर्चा विचार आधारित और लक्ष्य उन्मुख कर्मों के सम्बन्ध में ही है।

कर्म ही मनुष्य की समस्त पीड़ाओं, समस्त व्याधियों और त्रासदियों का उपचार है। कर्म ही व्यक्ति के सपनों को साकार करने का माध्यम है। किन्तु कर्म सत्कर्म होना चाहिये, सार्थक होना चाहिये और सदभावनापूर्ण होना चाहिये। दुर्भावना, स्वार्थ अथवा ईर्षा से प्रेरित ड्डश्रह्ल होकर किया गया कर्म अनुचित और अवांछित ही नहीं होता अपितु यह अपराध की श्रेणि में भी आता है। इसे अकाम्य अथवा नकारात्मक कर्म कहा जाता है। कर्म-कर्म के मध्य गुणात्मकता के अन्तर को हमें समझना होगा और वही कार्य करना श्रेयस्कर होगा जो दूसरों को कष्ट अथवा हानि नहीं पहुँचाये, हममें बुरे संस्कार पैदा नहीं करे और हमारी स्वस्थ मानसिकता का द्योतक हो, तभी यह काम्य अर्थात सकारात्मक कर्म कहलायेगा। ऐसा कर्म ही अभिष्ट और श्रेयस्कर है। प्रत्येक कर्म में निष्ठा, समर्पण एवं सर्व कल्याण की भावना निहित होना अनिवार्य है। श्रेष्ठ कर्म का सर्वोच्च स्तर है निष्काम भावना से कर्म करना जैसा कि गीता में कहा है कर्मण्ये वाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन (भागवत गीता 2/47) फल की इच्छा किये बिना अपना कर्म किये जा।

सामान्यत: व्यक्ति अपना कर्म किसी उद्देश्य अथवा लक्ष्य की प्राप्ति के लिये करता है। अत: इस क्रिया की उपयोगिता और प्रासंगिकता को इसी आधार पर परखा जा सकता है कि क्या वह कर्म हमें अभिष्ट अथवा अभिलाषित लक्ष्य की पूर्ति की ओर ले जायेगा? यदि नहीं, तो फिर यह कार्य अथवा कर्म यथेष्ट नहीं है, अर्थात् करने योग्य नहीं है। यह भी महत्वपूर्ण है कि कर्म से व्यक्ति को अभिमान अथवा अहंकार नहीं हो अन्यथा कर्म की गरिमा ही नष्ट हो जायेगी। विनम्रता कर्म का आभूषण होती है और मधुरता इसका अलौकिक आनन्द ।

कर्म का दूसरा नाम गतिशीलता भी है क्यों कि कर्म की यही प्रमुख प्रवृत्ति है। गति ही व्यक्ति को विकास की ओर ले जाती है। निष्क्रियता इसकी विपरीत स्थिति है। कर्म मन से, वाणी से और शरीर के अन्य अंगों से सम्पन्न किये जाते है किन्तु वाणी और शरीर के अन्य अंगों द्वारा किये कर्म ही दृश्यगत और अनुभूतिपरक होते हैं। मन से किये कर्म मात्र विचार अथवा कल्पना होते है व्यवहारत: कर्म नहीं होते। तथापि वे हमारे जीवन को प्रभावित करते है।

सदाचार एवं श्रेयस्कर लक्ष्य ही मनुष्य के सबसे महत्वपूर्ण प्रेरक तत्व है और कर्म एवं सप्रयास इनकी ओर बढ़ने के साधन अथवा वाहन है। कर्म की यह यात्रा पूर्णत: अनुशासित और लक्ष्याभिमुख होनी चाहिये तभी यह काम्य होगी। ऐसा कर्म ही मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ सहायक होता है और यही उसका धर्म भी कहा जा सकता है। मनुष्य का सुख, उसकी शान्ति, समृद्धि, प्रगति और सफलता का मार्ग ऐसा कर्म ही प्रशस्त कर सकता है। अत: आइये, हम सभी सृष्टि-प्रकृति से अनुप्रेरित और अनुप्राणित होते हुए निष्काम, निर्विकार और समर्पण भाव से प्रवृत्त होकर अपने काम्य कर्म में अनवरत संलग्न रहें और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते चले, चलते चले अविराम और अहर्निश।

**- वेद प्रकाश आर्य**

# ट्रेन में गन्तव्य स्थान के लिए अलार्म सुविधा

यदि आप रेल से यात्रा कर रहे हैं तो डर यह लगा रहता है कि कहीं गन्तव्य स्थान के स्टेशन से आगे न निकल जाये। रात के समय में नींद आने के कारण इसकी आशंका अधिक रहती है। भारतीय रेलवे ने यात्रा को सरल बनाने के लिए रात 11 बजे से सुबह 7 बजे तक के लिए अलार्म सेट का फीचर उपलब्ध करा रखा है। इसके अलावा एक वेकअप कॉल सुविधा भी उपलब्ध करायी जाती है।

**डेस्टीनेशन अलर्ट को सेट करने के लिए निम्न स्टेप्स का ध्यान रखें-**

- मोबाइल फोन से 139 डायल करें।
- अपनी भाषा का चुनाव करें।
- IVR मेन मेन्यू में 7 का चयन करें।
- गन्तव्य अलार्म सेट करने के लिए 2 दबायें।
- फिर टिकिट पर लिखे PNR No. डालें और पुष्टि के लिए 1 दबाएं।
- इस प्रक्रिया से आपका डेस्टीनेशन अलर्ट सेट हो जाएगा ओर एक SMS आएगा।

**SMS भेजकर सेट करें डेस्टीनेशन अलर्ट-**

- अपने फोन में SMS को खोले
- अब अलर्ट मैसेज टाइप करें और 139 पर इसे भेज देवें।
- इससे आपका डेस्टीनेशन अलर्ट सेट हो जाएगा।
- इस सेवा में आपको 20 मिनट पहले मोबाइल पर वेकअप काल या SMS आएगा।

इस प्रकार आप बेफ्रिक होकर रेल यात्रा कर सकते हैं।

# चि. आयुष संग सौ.का. शिवानी

## का शुभ विवाह

## मंगलवार, दिनांक 12 नवम्बर, 2024

### रानी बाग, कुकस, जयपुर में सम्पन्न हुआ की झलकियां

**वरपक्ष :**

**दादा-दादी :** स्व. श्री दुर्गालाल कसुम्भीवाल, वास्तुविद् व पूर्व उप नगर नियोजक, जेडीए, जयपुर-स्व. श्रीमती कान्ता कसुम्भीवाल, **पिता-माता :** डॉ. अरुण कसुम्भीवाल, आर्कीटेक्ट और वास्तु सलाहकार-श्रीमती कविता कसुम्भीवाल, **नाना-नानी :** श्री मोहनलाल जी कुमावत, बनीपार्क-श्रीमती कमला कुमावत, **फुफाजी-बुआजी :** श्री राजेन्द्र प्रसाद रोकणा, एडुब्रेन स्कूल, दुर्गापुरा-डॉ. ममता रोकणा, प्रोफेसर, **भांजी दामाद-भांजी :** श्री पार्थ पारीक-अंकिता, **भांजा :** इंजीनियर भास्कर रोकणा, BARC मुम्बई, **समधी-समधन :** श्री दिनेश जी वर्मा (घोड़ेला)-श्रीमती सरोज वर्मा, सूरत, **दामाद-पुत्री :** श्री आशिष जी वर्मा (घोड़ेला)-आर्किटेक्ट अक्षा, सूरत, **मामा-मामी :** श्री मनोज कुमावत-श्रीमती मधु कुमावत, भतीजा-भीतीजी : युवांक, दिव्यांगना

**वधू पक्ष :**

**दादा-दादी :** स्व. श्री सुमेर चन्द जी मण्डावरा-श्रीमती सीता देवी, सीकर, **पिता-माता:** श्री विनोद जी कुमावत-श्रीमती चन्दा देवी, **चाचा-चाची :** तरुण-विनिता, अमित-रितु, **फुफाजी-बुआजी :** श्री विमल कुमावत पूर्व उपमहापौर जयपुर -स्व. श्रीमती नमिता, श्री सतीश वर्मा-श्रीमती सुमिता, **भैया-भाभी :** हितेश-कंचन, **भाई-बहन :** प्रीत, शिवम, रिया, वैदही, नमय

**ननिहाल पक्ष :**

**नाना-नानी :** स्व. श्री दौलतराम जी तारकशी-स्व. श्रीमती सुशीला देवी, **मामा-मामी :** गोपाल सिंह जी-सुनीता देवी, स्व. श्री प्रेम सिंह जी-श्रीमती सीमा देवी,

विज्ञापन

**प्रतिष्ठान वर पक्ष**

- Vastu-Jaipur Since 1727 : Complete Vastu Solutions
- Arun Architects : Architects, Engineers, Interior Designers
- Academy of Interior Design Vastu
- Mistry-G-Turnkey Projects

**प्रतिष्ठान वधू पक्ष**

- Vinod Trading company, Sikar
- Tirupati Products, Sikar

***Rani Bagh Resort, Kukas, Jaipur Weddings and Events***

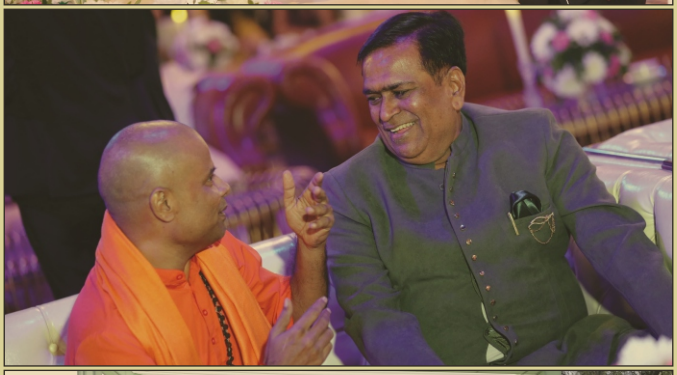

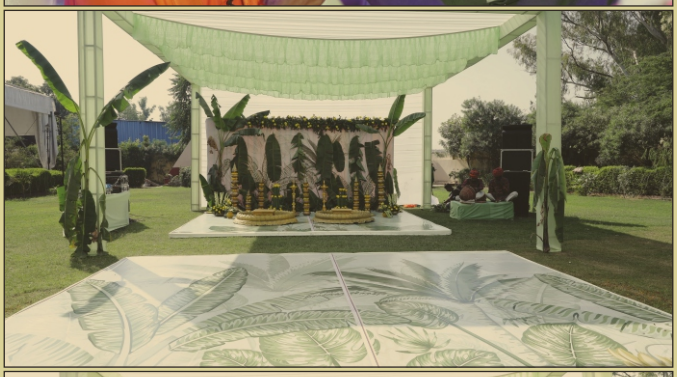

विज्ञापन

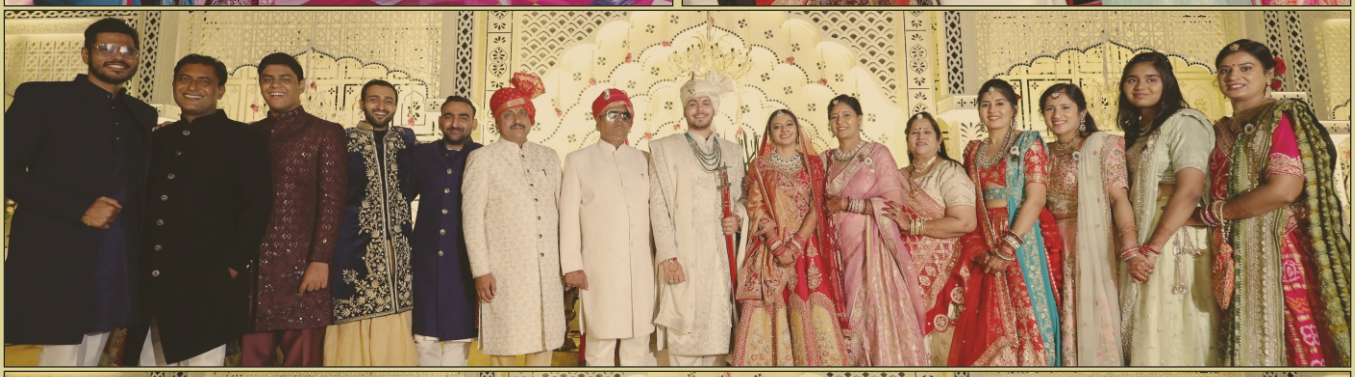

विज्ञापन

विज्ञापन

# समाज में विवाह विच्छेद की बढ़ती खबरें

**''जीवनसाथी बन महकाए गृह आंगन।**
**चहुं दिशा गुंजायमान, प्रीत पिरोई गुंजन।।**
**इक ही डगर, इक ही स्वप्न सजाए नयन।**
**दृढ़ संकल्प लिए पग धरे अनमोल सृजन ।।''**

विवाह; दो प्राणियों का, दो आत्माओं का, दो परिवारों का मेल! जीवन अकेले नहीं जिया जा सकता, यह शाश्वत सत्य है। एक निश्चित उम्र के पश्चात जीवनसाथी की आवश्यकता होती ही है। इसीलिए हमारे सनातन धर्म में परिणय संस्कार को सोलह संस्कारों में शामिल किया गया है। सोलह सार्थक संस्कारों में से सबसे सुंदर व सलोने इस संस्कार का नाम कानों में पड़ते ही आंखों के समक्ष थिरक उठना है, खुशी और उल्लास में डूबा घर आंगन! संतान पैदा होती है तब से ही माता-पिता उनके विवाह के सपने संजोने लगते हैं। यह आवश्यक भी है, पुत्र हो या पुत्री एक निश्चित उम्र के पश्चात विवाह कर भी देना चाहिए। आज से दो दशक पूर्व तक हम विवाह को एक अटल सत्य और सात जन्मों का साथ मानते थे। लेकिन आज विवाह के साथ आशंकाएं जुड़ने लगी है। जी हां आशंकाएँ अलगाव की, छोड़ दिए जाने की, संबंध के टूटने की।

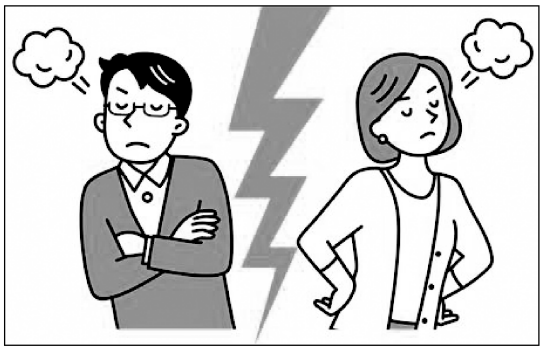

आजकल हमारे समाज में व अन्य समाज में विवाह विच्छेद, अलगाव व तलाक की खबरें बहुतायत से सुनी जा रही है। शादी के 1 महीने बाद ही लड़की घर आ गई, शादी के बाद 6 महीने ही साथ रह पाए, यहां तक की शादी के बाद सिर्फ एक हफ्ते ही साथ रहकर अलग हो गए जैसी खबरें हमारे कुमावत समाज में भी बहुत उभर कर सामने आ रही है। यह घोर चिंता का विषय है। नवयुवक-नवयुवतियां जो अभी अपना जीवन प्रारंभ ही करने जा रहे थे, इस तरह के आघात से सहम जाते है। निराशा, अवसाद व कुंठा उन्हें चारों तरफ से घेर लेती है। हमें इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। सबसे पहले देखते हैं कि आखिर विवाह विच्छेद या तलाक की दर इतनी क्यों बढ़ रही है। इसके अनेक कारण हैं -

1.महिला सशक्तिकरण
2. जल्दबाज़ी में किये गये प्रेम विवाह
3. सहनशीलता और धैर्य का अभाव
4. बढ़ता भौतिकवाद
5. इंसान का व्यक्तिवादी होना
6. अहम का टकराना
7. घरेलू हिंसा
8. विवाहोत्तर संबंध

समय के साथ ही परंपरागत संयुक्त परिवार टूटने लगा। महिलाएं काम पर जाने लगीं या अपना बिजनेस शुरू किया। इस तरह महिलाएं आर्थिक सुरक्षा के लिए पति पर निर्भर नहीं रहीं। पति भी पहले जैसे पुरुषवादी सोच के नहीं रहें। वे भी घर के काम में हाथ बंटाने लगे हैं। लिंग भेद से जुड़े मामलों में बदलाव आया है। **रिश्ते को संभालने की जिम्मेदारी जितनी पत्नी की होती है उतनी ही पति की भी। जब तक दोनों मिलकर इस जिम्मेदारी को नहीं निभाएंगे तब तक ये रिश्ता आगे नहीं बढ़ सकता है।** बढ़ती तलाक की दर को रोकने के लिये पति-पत्नी के बीच अहं नहीं होना चाहिये। एक दूसरे के विचारों और निर्णयों का सम्मान करना चाहिये। दोनों को एक दूसरे का पूरक होना चाहिये, कम्पीटिटर नहीं । आपसी सामंजस्य से ही तलाक जैसी महामारी से समाज को बचाया जा सकता है ।

आज के समाज में परिवार से ज्यादा भौतिकवाद की अहमियत हो गई है। जिसके कारण नई पीढ़ी रिश्तों को खत्म करते हुए नहीं हिचकिचाती। आज सहनशीलता बिलकुल ही खत्म हो चुकी है जिस वजह से पति-पत्नी एक-दूसरे की ज़रा-सी बात को भी बर्दाश्त नहीं कर पाते। धीरे-धीरे ये बातें इतनी बड़ी हो जाती हैं कि आखिर में तलाक लेना ही एकमात्र रास्ता नज़र आने लगता है। लेकिन यह समझना बहुत ज़रूरी है कि आवेश में आकर तलाक लेने के लिए आगे बढ़ जाना तो आसान है लेकिन इसकी प्रक्रिया से गुज़रना बहुत मुश्किल। **दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में कहा कि बेटी के ससुराल में लड़की की मां का ज़रूरत से ज्यादा दखल आजकल परिवारों के टूटने का मुख्य कारण बनता जा रहा है।** तलाक के कुछ मामले ऐसे आ रहे हैं जिनमें तलाक लेने का आधार बहुत ही बचकाना होता है जैसे कि पति या पत्नी का पालतू कुत्ते को पाल लेना, पति का ज्यादा खर्राटे लेना, पति का पत्नी को हनीमून पर गोवा के बजाय किसी धार्मिक स्थल ले जाना आदि। जब भी कोई शख्स किसी वकील के पास तलाक का केस लेकर आता है तो अक्सर वकील तलाक न लेने और उसकी जटिल प्रक्रिया से बचने के लिए ही कहते हैं। ठीक इसी तरह जब भी किसी अदालत में तलाक का केस दाखिल किया जाता है तो अक्सर जज की भी पूरी कोशिश यही रहती है कि दोनों पक्ष आपसी सहमति से मामला सुलझा लें। लेकिन चाहे वह जज हो या वकील, उनका काम सिर्फ

समझाना है। आखिर में फैसला तो दोनों पक्षों को ही लेना होता है। पहले संयुक्त परिवार थे, अत: लड़का हो या लड़की बचपन से ही सहनशीलता, सामंजस्यता, एक दूसरे के लिए त्याग करना, छोटी-छोटी बातों को इग्नोर कर देना, अपने इगो को साइड में रखना आदि गुण सीख जाते थे। बड़े होने पर विवाह में आराम से समायोजित भी हो जाते थे। परंतु एकल परिवार में बेटा हो या बेटी दोनों को ही सर पर चढ़ा कर रखने का रिवाज सा हो गया है। आज की आवश्यकता है कि बेटा हो या बेटी दोनों को ही घर का कार्य सिखाया जाए। साथ ही साथ उनमें सहनशीलता और सामंजस्यता की भावना का विकास भी किया जाये। अगर इसी प्रकार इगो का टकराव पति-पत्नी के बीच प्रारंभ से ही होना शुरू हो जाएगा तो विवाह का लंबे समय तक चलना कटघरे में आ जाएगा। टूटे विवाह सभी के लिए दुख का कारण बन जाते हैं। हमें धीरे-धीरे भयावह होती जा रही इस समस्या की ओर प्रबुद्ध जन का ध्यान आकर्षित कर, इसे रोकने के ठोस प्रयास करने की दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए।

**जिंदगी की वीरान राहों को अकेला नाप नहीं सकता ।।**
**इस राह को नापने के लिए पथिक चाहिए,**
**एक हंसमुख गुलजार जिंदगी जीने के लिए**
**जीवन साथी चाहिए ।।**

आप उक्त विषय पर अपने विचार 9408093778 पर whatsapp के माध्यम से साझा कर सकते हैं। आपके विचारों को नाम सहित अगले अंक में शामिल किया जाएगा।

**- डॉ प्रिया मारवाल,** असिस्टेंट प्रोफेसर

## आयुर्वेद अमृतम्

# ''जय धन्वन्तरी, जय आयुर्वेद''

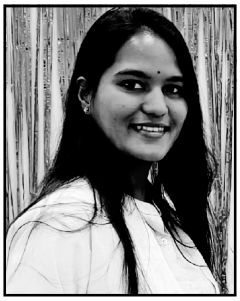

आजकल की भागदौड़ भरी जिन्दगी में एक आयुर्वेद ही ऐसी पद्धति है जो हमें बिना नुकसान पहुंचाएं पूर्णत: स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है। आयुर्वेद औषधी ही नहीं, बल्कि जीवन पद्धति है। खुशहाल जीवन जीने के लिए स्वस्थ रहना हमारी पहली प्राथमिकता है।

भारतीय संस्कृति में आयुर्वेद मूल (जड़) है। जिस प्रकार पेड़-पौधों को हरा-भरा रहने के लिए उनका जड़ से जुड़े रहना आवश्यक है, ठीक उसी प्रकार हम भी आुयर्वेद से जुड़े रहें तो स्वत: ही स्वस्थ जीवन जियेंगे। हमारे ऋषि-मुनि भी आयुर्वेद को अपनाकर स्वस्थ और दीर्घायु रहे। पाश्चात्य संस्कृति को छोड़ अगर हम भी अपने बच्चों को आयुर्वेद की ऊंगली पकड़कर चलना सिखाएंगे तो आने वाली पीढ़ियां भी स्वत: ही स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करेंगी।

आजकल आयुर्वेद पद्धति ज्यादा प्रचलन में हैं क्योंकि इसके साइड इफेक्ट नहीं के बराबर है। भारतीय आयुर्वेद में मुख्य रूप से तीन प्रकार के शरीर होते हैं वात, पित्त और कफ।

आयुर्वेद चिकित्सकों का मानना है कि उनका दृष्टिकोण कई प्रकार के विकारों के उपचार में प्रभावी है जिनमें चिंता, दमा, वात रोग, कब्ज, एक्जिमा, उच्चरक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रोल, रमेटाइड गठिया, तनाव।

इस पद्धति में इलाज के लिए नियमित आहार-विहार के साथ हर्बल दवाएं भी उपचार का मुख्य हिस्सा हैं।

आयुर्वेद उपचार सदैव अधिकृत डॉक्टर की देखरेख में ही लिया जाना उचित है क्योंकि आजकल कई दवाइयां ऑनलाइन भी बेची जाने लगी हैं जो अधिकृत नहीं होतीं और नुकसान का कारण भी बन जाती हैं। अत: सही समय और उचित परामर्श से ही आयुर्वेद को अपनाएं और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें।

**- डॉ. वंशिका ( आयुर्वेदाचार्य )**

# जिन्दगी की सच्चाई

(56 वर्ष में मरे अरबपति **स्टीव जॉब्स** के आखिरी शब्दों अनुसार)

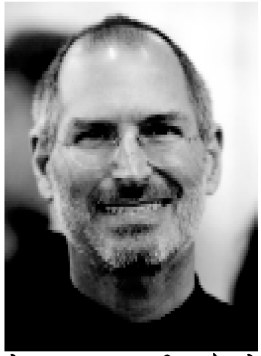

मैं व्यापार जगत में सफलता के शिखर पर पहुंच गया हूं। दूसरों की नज़र में मेरा जीवन एक उपलब्धि है। हालाँकि, काम के अलावा, मुझे कोई खुशी नहीं थी। अंत में, धन बस एक सच्चाई है जिसका मैं आदी हो गया हूँ।

इस क्षण में, अपने अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए और अपने पूरे जीवन को याद करते हुए, मुझे एहसास होता है कि जिस पहचान और धन पर मुझे इतना गर्व था, वह मृत्यु के सामने फीकी और महत्वहीन हो गई है।

आप अपनी कार चलाने या अपने लिए पैसे कमाने के लिए किसी को काम पर रख सकते हैं, लेकिन आप किसी को बीमारी सहने और आपके लिए मरने के लिए काम पर नहीं रख सकते। खोई हुई भौतिक वस्तुएं मिल सकती हैं। लेकिन एक चीज़ है जो खो जाने पर कभी नहीं मिलती - '**जिन्दगी**'।

# ढूंढिये वजह मुस्कुराने की

**तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो, क्या गम है जिसको छुपा रहे हो।** इस संजीदा गाने पर जाएं तो मुस्कुराहट सिर्फ गम को छुपाने के लिए ही है किन्तु ऐसा नहीं है, मुस्कुराने के पीछे कई मायने हैं। गम के साथ-साथ मुस्कुरा कर रहस्य भी छुपाया जाता है, किसी की खिल्ली भी उड़ाई जा सकती है।

असली मायने मुस्कुराट के यही हैं कि हमेशा अपनी जिंदादिली दिखायें और मुस्कुराएं। मुस्कुराने से चेहरे का व्यायाम हो जाता है तथा चेहरे की मांसपेशियां अच्छा कार्य करती है। मुस्कुराहट भरा चेहरा हमेशा खिला-खिला रहता है और आपसे ज्यादा लोग प्रभावित भी रहते हैं।

आम राय में लोग आजकल मुस्कुराना भूल गये हैं क्योंकि काम का स्ट्रेस बहुत ज्यादा है और जीवन में भागदौड़ अधिक हो गई है। यह सच भी है युवा लोग अपनी रफ्तार में तो हैं किन्तु एक-दूसरे के लिए समय नहीं है फलस्वरूप दिमाग में तनाव जन्म ले लेता है जिसके परिणाम अक्सर नकारात्मक ही देखने में आते हैं।

परिस्थितियां भी सदैव एक सी नहीं रहती कभी सम तो कभी अत्यधिक विषम भी हो जाती हैं। कभी कुछ हमसे जुड़ता है तो बहुत कुछ छूट भी जाता है। लेकिन जीने की प्रबल इच्छा व इरादे मजबूत हो तो मुस्कुराना हर मर्ज की दवा बन जाती है ऐसा करने से हमारे खराब मूड को बेहतर बनाने वाले हारमोन बढ़ते हैं जबकि हमें तनावग्रसित करने वाले कार्टिसोल व एड्रेनालाईन हारमोन कम होते हैं जिससे हमारो रक्तचाप भी संतुलित होता है। आम तोर पर जब हम मुस्कुराते या खुश होते हैं तो इस्तेमाल की जाने वाली मांसपेशियां हमारे मस्तिष्क को अधिक एंडोर्फिन बनाने के लिए प्रेरित करती है और ये वही रसायन है जो दर्द व तनाव से राहत देते हैं।

मुस्कुराने से व्यक्ति मिलनसार व भरोसेमंद लगते हैं और इस चेहरे के साथ आपकी परेशानी में भी लोग आपके साथ खड़े मिलेंगे। घर में मेहमान आने पर मेजबान द्वारा स्वागत मुस्कुरा कर किया जाए तो मेहमाननवाजी का मजा दुगुना हो जाता है घर में अपने छोटे बच्चों की खुशियों व हरकतों पर खुशी से मुस्कुराएं तो हमारा भी बचपन जीवंत हो जाता है।

घर-परिवार और परिवेश में यदि आपका जुड़ाव अच्छा है तो निश्चित रूप से आपको मुस्कुराने के मौके भी ज्यादा मिलेंगे। किसी को सांत्वना देना और ढांढस बंधाना भी आपके लिए मुस्कुराने की वजह बन जाता है।

प्रात:काल जब बिस्तर छोड़ें तो यह तय हो की एक मुस्कुराहट आपके साथ रहे ताकि सबका दिन अच्छा निकले। आपकी दयालुता भी स्वयं व ओरों के प्रति आपको मुस्कुराट से भर देगी। लोगों के प्रति आपका प्यार भी मुस्कुराने पर मजबूर कर देगा। विश्व प्रसिद्ध मोनालिसा की मुस्कुराहट वाली पेंटिंग जो लियोनार्डो द बिंसी ने बनाई आज भी उस मुस्कुराहट को हम नहीं भूले हैं।

किसी शायर ने बहुत खूब लिखा है कि-

**आपकी मुस्कुराहट ने मेरे होश उड़ा दिये,**
**हम होश में आने वाले थे कि आप फिर मुस्कुरा दिये।**

ये पंक्तियां, हमेशा मुस्कुराहट कितनी महत्वपूर्ण है, इसको बखूबी बयां करती है। तो क्यों न हम भी ढूंढे छोटी-मोटी वजह, जो हमें खुशियां दें और हम मुस्कुराना कभी न भूलें।

**- भारती तोंदवाल**

# पिता की सीख

पिता कहता है सुन मेरे बच्चे,
एक पते की बात कहुं।
सुख दुख का तू साथी बनना
साथ 'मैं' तेरे रहु ना रहु।।

जो आया वो जाएगा एक दिन,
खट्टे मीठे बोलकर।
सिर उठा जीना जग में,
मिट्ठी वाणी बोलकर।।
मुख से वचन तू ऐसे कहना,
तू भी सहे और मैं भी सहू।
सुख-दु:ख का तू साथी बनना,
साथ 'मैं' तेरे रहुं ना रहुं।।

माया का तु गर्व ना करना,
ये तो आनी जानी है।
सत कर्म से जीना जग में,
अपनी पहचान बनानी है।।
तू मेरी पहचान तो बनना,
मैं तेरी पहचान बनुं।
सुख-दु:ख का तू साथी बनना,
साथ 'मै' तेरे रहुं ना रहुं।।

अपमान गुरू का कभी ना करना ,
गुरू ही जग संसार है।
गुरू ही मात-पिता है जग में,
और गुरू में ही परिवार है।।
लेख गुरू के तू भी लिखना,
लेख गुरू के मैं भी लिखू।
सुख-दु:ख का तू साथी बनना,
साथ 'मैं' तेरे रहुं ना रहुं।।

दान धर्म तू कर ना कर,
पर सेवा कर्म तू कर देना।
प्यासे को पिला देना पानी ,
अंधे को राह दिखा देना।।
मुख से तू भी राम तो कहना,
मैं भी मुख से राम कहु।
सुख-दु:ख का तू साथी बनना ,
साथ 'मैं' तेरे रहुं ना रहुं।।

-पृथ्वीराज धमुनिया
'धरती'

# गोलगप्पे खाना कितना घातक ?

यूँ तो गोलगप्पे अपने चटपटे स्वाद के लिए जाने जाते हैं और ये सड़क किनारे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुलभ भी हो जाते हैं। इन्हें विशेषकर महिलाएं व बच्चे बड़े चाव से खाना पसंद करते हैं, इनमें हींग, पोदिना एवं सादा फ्लेवर के साथ-साथ मीठे स्वाद का भी अलग ही मजा है। इन्हें क्या छोटे क्या बड़े इसे सभी पसंद करते हैं। आजकल आटे के साथ सूजी से बने गोलगप्पे भी प्रचलन में हैं।

पर क्या आप जानते हैं कि गोलगप्पे खाना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक भी हो सकता है। डॉक्टरों की माने तो इससे पीलिया (जांडिस), अल्सर, डायरिया, हैजा तथा लीवर में पस हो सकता है, इसके कारण हैं:-

1. गोलगप्पे बनाने में अच्छी क्वालिटी के तेल का इस्तेमाल नहीं करना।

2. गोलगप्पे में इस्तेमाल पानी कैसा है तथा कहाँ से लाया गया। उसे संग्रहित करने में बर्तन साफ व ठीक था या नहीं अर्थात हाईजीन का ध्यान रखा या नहीं ?

3. खटाई के लिए ईमली, नींबू, सूखे कच्चेआम का उपयोग किया या नहीं ? महंगाई के कारण आजकल टाटरिक एसिड आदि उपयोग में लिए जाते हैं तथ पुदीना के स्थान पर कृत्रिम रंगों का उपयोग कर लिया जाता है। ये हमारे शरीर के संतुलन को हानि पहुंचा कर गम्भीर बीमार कर सकते हैं।

4. इसमें प्रयुक्त नमक की अधिक मात्रा ब्लड प्रेशर का कारक होती है।

5. इसके लिए तैयार आलू मसाला कहीं खराब तो नहीं हो गया।

नेपाल के ललितपुर में कॉलरा (हैजा) के बढ़ते मामलों की जांच पर इसके लिए इस्तेमाल किये जा रहे पानी में हैजा के बैक्टीरिया मिलने के कारण वहां गोलगप्पे पर प्रतिबन्ध लगाना पड़ा है।

समझदारी इसी में है कि गोलगप्पे खाने से बचा जाए। साथ ही स्ट्रीट फूड की अनहाईजनिक स्थिति होने से इसे न खायें। यदि खाना ही है तो इन्हें साफ पानी में सफाई का विशेष ध्यान रखते हुए बिना हानिकारक वस्तुओं का इस्तेमाल करते हुए घर पर बनाएं। ऐसा करने से आप सुरक्षित रहकर गोलगप्पों का मजा भी ले पायेंगे।

# स्वास्थ्यवर्धक आँवला

ऑवला के फल पौष्टिक और शोधक माने जाते हैं। इससे रक्तविकार दूर होता है। इसमें विटामिन-सी व ए, मेगनीशियम, कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, ओमेगा-3 होता है। जो हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाता है। इसके सेवन से नेत्र ज्योति बढ़ती है, मस्तिष्क मज्जा को बल मिलता है तथा पेट के लिए लाभदायक होता है। ऑवले का चूर्ण बनाकर उसे रात को एक तोला पानी में भिगो दें और प्रात: छानकर बालों पर लगाकर धोने से बाल मजबूत होते हैं व रूसी भी हट जाती है। ऑवला खट्टा होता है पर यह गुणकारी होता है तथा आम व इमली की खटाईयों से जो विकृतियां आती हैं वह आँवले से नहीं आती। आँवला, आमाशय की अमलता को कम करता है। यह त्रिफला का मुख्य घटक है। इसका उपयोग कायाकल्प में भी किया जाता है। सर्दियों में इससे चवनप्राश भी बनाकर सेवन किया जाता है। गर्मी के मौसम में आँवले के मुरब्बे का उपभोग लाभदायक होता है, यह स्वादिष्ट भी होता है। आँवले का अचार, जूस व केण्डी बनाकर उपयोग किया जा सकता है।

ऑवला एंटी आक्सिडेंट का अच्छा स्रोत होता है, इसमें पोटेशियम की मात्रा भी अधिक होती है। इसके सेवन से ब्लड प्रेशर व डायबिटीज नियंत्रित रहती है। इसके घुलनशील फाइबर आंतों की गति को विनयमित करते हैं और पाचनतंत्र ठीक रहता है। ऑवला की बेरीज एन्टी आक्सीडेन्ट मुक्त रेडिकल के शमन की क्षमता रखती है जो मस्तिष्क कोशिकाओं की क्षति होने से बचाता है और स्मरण शक्ति को बढ़ाता है। आँवला शरीर से विषाक्त पदाथों को बाहर निकालने में मदद करता है और अवांछित फेट जमा होने से रोककर वजन कम करने में सहायक है। आँवला प्राकृतिक ब्लड प्यूरिफायर है इससे त्वचा सम्बन्धी रोगों से लड़ने में सहायक है। **निम्न स्थिति में आंवले का सेवन नहीं करें-**

यदि खांसी व कफ, डैंड्रफ व सिर की खुजली की तकलीफ हो तो आँवले का सेवन नहीं करना चाहिए। आँवले के सेवन से डिहाइड्रेशन की तकलीफ हो सकती है, इसका सेवन करने पर पानी की मात्रा ज्यादा लेनी चाहिए। जिन्हें एसीडिटी की समस्या है उन्हें खाली पेट आँवला का सेवन नहीं करना चाहिए।

**सावधानी :** किसी भी रोग में आंवले का सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना उचित होगा।

# तुलसी का महात्म्य

## पद्मपुराण में भगवान शिव द्वारा तुलसीदल की महिमा का वर्णन

सब प्रकार के पत्तों और पुष्पों की अपेक्षा तुलसी ही श्रेष्ठ मानी गई है।

तुलसी परम मंगलमयी, समस्त कामनाओं को पूर्ण करनेवाली, शुद्ध, श्रीविष्णु को अत्यंत प्रिय तथा 'वैष्णवी' नाम धारण करनेवाली है।

तुलसी संपूर्ण लोक में श्रेष्ठ, शुभ तथा भोग और मोक्ष प्रदान करनेवाली है।

भगवान श्रीविष्णु ने पूर्वकाल में संपूर्ण लोकों का हित करने के लिए तुलसी का वृक्ष रोपा था।

तुलसी के पत्ते और पुष्प सब धर्मों में प्रतिष्ठित हैं, जैसे भगवान श्रीविष्णु को लक्ष्मी और मैं (शिव) दोनों प्रिय हैं, उसी प्रकार यह तुलसीदेवी भी परम प्रिय है।

हम तीनों के सिवा कोई चौथा ऐसा नहीं जान पड़ता, जो भगवान को इतना प्रिय हो।

तुलसीदल के बिना दूसरे-दूसरे फूलों, पत्तों तथा चंदन आदि के लेपों से भगवान श्रीविष्णु को उतना संतोष नहीं होता।

जिसने तुलसीदल के द्वारा पूर्ण श्रद्धा के साथ प्रतिदिन भगवान श्रीविष्णु का पूजन किया है, उसने दान, होम, यज्ञ और व्रत आदि सब पूर्ण कर लिए।

तुलसीदल से भगवान की पूजा कर लेने पर कांति, सुख, भोगसामग्री, यश, लक्ष्मी, श्रेष्ठ कुल, शील, पत्नी, पुत्र, कन्या, धन, राज्य, आरोग्य, ज्ञान, विज्ञान, वेद, वेदंग, शास्त्र, पुराण, तंत्र और संहिता सबकुछ मैं (शिव) करतलगत समझता हूं।

जैसे पुण्यसलिला गंगामुक्ति प्रदान करने वाली हैं, उसी प्रकार यह तुलसी भी कल्याण करनेवाली है।

यदि मंजरीयुक्त तुलसीपत्रों के द्वारा भगवान श्रीविष्णु की पूजा की जाय तो उसके पुण्यफल का वर्णन करना असंभव है।

जहां तुलसी का वन है, वहीं भगवान कृष्ण की समीपता है तथा वहीं ब्रह्मा और लक्ष्मी जी भी संपूर्ण देवताओं के साथ विराजमान हैं। इसलिए अपने निकटवर्ती स्थान में तुलसीदेवी को रोपकर उनकी पूजा करनी चाहिए।

तुलसी के निकट जो स्तोत्र-मंत्र आदि का जप किया जाता है, वह सब अनंतगुना फल देनेवाला होता है।

प्रेत, पिशाच, कूष्मांड, ब्रह्मराक्षण, भूत और दैत्य आदि सब तुलसी के वृक्ष से दूर भागते हैं।

ब्रह्महत्या आदि पाप तथा खोटे विचार से उत्पन्न होने वाले रोग - ये सब तुलसीवृक्ष के समीप नष्ट हो जाते हैं।

जिसने श्रीभगवान की पूजा के लिए पृथ्वी पर तुलसी का बगीचा लगा रखा है, उसने उत्तम दक्षिणाओं से युक्त सौ यज्ञों का विधिवत अनुष्ठान पूर्ण कर लिया है।

जो श्रीभगवान की प्रतिमाओं तथा शालग्राम-शिलाओं पर चढ़े हुए तुलसीदल को प्रसाद के रूप में ग्रहण करता है, वह श्रीविष्णु के सायुज्य को प्राप्त होता है।

जो श्रीहरि की पूजा करके उन्हें निवेदन किए हुए तुलसीदल को अपने मस्तक पर धारण करता है, वह पाप से शुद्ध होकर स्वर्गलोक को प्राप्त होता है।

कलियुग में तुलसी का पूजन, कीर्तन, ध्यान, रोपण और धारण करने से वह पाप को जलाती और स्वर्ग एवं मोक्ष प्रदान करती है।

जो तुलसी के पूजन आदि का दूसरों को उपदेश देता और स्वयं भी आचरण करता है, वह भगवान श्रीलक्ष्मीपति के परमधाम को प्राप्त होता है।

जो वस्तु भगवान श्रीविष्णु को प्रिय जा पड़ती है, वह मुझे भी अत्यंत प्रिय है।

श्राद्ध और यज्ञ आदि कार्यों में तुलसी का एक पत्ता भी महान पुण्य प्रदान करने वाला है।

जिसने तुलसी की सेवा की है, उसने गुरु, ब्राह्मण, देवता और तीर्थ सबका भली भांति सेवन कर लिया।

जो शिखा में तुलसी स्थापित करके प्राणों का परित्याग करता है, वह पापराशि से मुक्त हो जाता है।

राजसूर्य आदि यज्ञ, भांति-भांति के व्रत तथा संयम के द्वारा धीर पुरुष जिस गति को प्राप्त करता है, वही उसे तुलसी की सेवा मिल जाती है।

तुलसी के एक पत्र से श्रीहरि की पूजा करके मनुष्य वैष्णवत्व को प्राप्त होता है, उसके लिए अन्यान्य शास्त्रों के विस्तार की क्या आवश्यकता है।

जिसने तुलसी की शाखा तथा कोमल पत्तियों से भगवान श्रीविष्णु की पूजा की है, वह कभी माता का दूध नहीं पीता अर्थात् उसका पुनर्जन्म नहीं होता।

कोमल तुलसीदलों के द्वारा प्रतिदिन श्रीहरि की पूजा करके मनुष्य अपनी सैकड़ों और हजारों पीढ़ियों को पवित्र कर सकता है। ये तुलसी के प्रधान-प्रधान गुण हैं, तुलसी के संपूर्ण गुणों का वर्णन तो बहुत अधिक समय लगाने पर भी नहीं हो सकता।

पद्मपुराण से संकलित

**-रामप्रकाश मारवाल**

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

## विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत

## ''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

16 अक्टूबर श्री प्रभुयाल बागवान (धमुनिया), रींगस
17 अक्टूबर श्री सीताराम धमुनिया, गोविन्दगढ़, जयपुर
20 अक्टूबर श्रीमती सरिता देवी धर्मपत्नी स्व. श्री किशनलाल दम्बीवाल, ब्यावर
20 अक्टूबर श्रीमती सोनू धनारिया, चांदपोल, उदयपुर
21 अक्टूबर श्री लादूराम तुनगरिया, ग्राम सिरसली, जयपुर
22 अक्टूबर श्री गजानन्द कारगवाल, उगरियावास
23 अक्टूबर श्री देवेन्द्र भदाणिया, निवासी अम्बामाता, मानपुरा, आबूरोड
24 अक्टूबर श्री रामजीलाल कुमावत, लक्ष्मीनारायणपुरी, जयपुर
25 अक्टूबर श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी श्री छीतरमल भौरोदिया, सोडाला, जयपुर
29 अक्टूबर कु.पीहु पुत्री दीपक मारोठिया, झोटवाड़ा, जयपुर
29 अक्टूबर श्रीमती भारती कुराड़िया, सविना खेड़ा, उदयपुर
2 नवम्बर श्री निरंजन लाल घोड़ेला, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर
2 नवम्बर श्री बजरंग लाल घोड़िया, चौमूं, जयपुर
3 नवम्बर श्री योगेश पुत्र श्री रामलाल नेहरा, श्रीरामनगर, गैटोर, जयपुर
8 नवम्बर श्रीमती शांति देवी पत्नी श्री तेजराम ब्याड़वाल, जयपुर
9 नवम्बर श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री किशनचंद बालोदिया, जयपुर
11 नवम्बर श्री रामेश्वर प्रसाद मारवाल, धानोता
11 नवम्बर श्री ख्यालीलाल बढ़गुन्दा, देवाली, उदयपुर
11 नवम्बर श्रीमती नारायणी देवी, चांदपोल, उदयपुर
14 नवम्बर श्री भंवरलाल मारवाल, कपूरावाला, सांगानेर, जयपुर
14 नवम्बर श्री सूरजमल कुंडलवाल पुत्र स्व. श्रीरामदेव कुण्डलवाल, महावीरनगर, जयपुर
14 नवम्बर श्री रामकिशन मारवाल पुत्र स्व. श्री हरद्वार जी, मान्यावास, जयपुर
16 नवम्बर श्री चौथमल मारवाल, जोड़ला की ढाणी, चिथवाड़ी, चौमूं
16 नवम्बर श्रीमती ललिता देवी पत नी स्व. श्री बद्रीप्रसाद मारवाल, जयपुर
17 नवम्बर श्रीमती कैलाशी देवी पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण जलान्धरा, जयपुर
18 नवम्बर श्रीमती मुरली देवी पत्नी स्व. झूंथाराम निरानिया, पीपली की ढाणी, जयपुर
18 नवम्बर श्री छगनलाल साड़ीवाल, उदयपुर

# विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

## युवक

| नाम | शिक्षा | व्यवसाय | जन्म | ऊंचाई | गौत्र | | | | संपर्क सूत्र मो. नंबर | स्थान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | स्वयं | माता | दादी | नानी | | |
| वीनेश | B.Sc. (Maths) | Railway Mail Service | 19.9.2000 | 5'8'' | बरमूडा | कालोया | तूनवाल | मारोठिया | 8739912977 | - |
| स्वीकान्त | NCVT, Diploma | Medical Executive | 25.1.97 | 5'6'' | मारवाल | घोड़ेला | राजोरिया | भाटीवाल | 8239803918 | झुंझुनूं |
| श्रीकान्त | Doctor Training, Veterinary Pvt. | | 12.12.97 | 5'10'' | जेठीवाल | जलान्दरा | खटोड़ | बिंवाल | 8290973590 | सीकर |
| डॉ. तरुण | B. Arch,M.Arch | Profesor MNIT | 18.4.92 | 5'6'' | मामोडिया | बसवाल | खोराणिया | घोड़ेला | 9799546844 | जयपुर |
| रूपेश | B.Com. | Working in MNC | जनवरी 88 | 5'7'' | बासनीवाल | सोकल | मारवाल | तूनवाल | 9711662326 | दिल्ली |
| ललित | B.A., MCA | **Builder ?** | 10.2.97 | 5'8'' | देवतवाल | कारगवाल | जलान्दरा | कन्डेरिया | 9784596679 | जयपुर |
| प्रकाश | M.Sc. | Pvt. Company | 7.5.94 | 5'8'' | मारवाल | संगाटिया | होदकास्या | सिरस्वा | 9057971123 | जयपुर |
| हर्षित | MBA (IIM) | Manager in MNC | 30.11.96 | 6'1'' | मोरवाल | अडानिया | कटूम्बरा | कारगवाल | 9414306725 | अलवर |
| ड्रोन | BCA,MBA | MNC Company | 10.6.96 | 5'9'' | भोड़या | माचीवाल | लोहरवाड़िया | घोड़ेला | 9829366605 | जयपुर |
| युवराज | B.Tech. | Civil Engineer | 3.3.97 | 5'10'' | बबेरीवाल | घासोलिया | लोहरवाड़िया | बींवाल | 9799560194 | जयपुर |
| गौरव | M.Com., MBA | Pvt. Ltd. | 5.6.97 | 5'7'' | राहोरिया | सिरस्वा | मारोठिया | खोरानिया | 9983689640 | जयपुर |
| रितिक | Dip. Elec., BCA | Self Business | 28.6.96 | 5'8'' | मारोठिया | सारड़ीवाल | तोंदवाल | दम्बीवाल | 7737872301 | जयपुर |
| कुणाल | M.Sc., H.T.S. | Spice Jet Airlines | 21.1.97 | 5'8'' | गैदर | बैथाड़िया | बबेरीवाल | आसीवाल | 9462068700 | जयपुर |
| अर्पित | M.A. | Land Developer | 2.10.98 | 5'10'' | मावर | मोरवाल | बेडवाल | मारवाल | 9351222230 | अजमेर |
| सर्वेश | B.Tech. (Civil) | Self Business | 17.3.99 | 5'6'' | बासनीवाल | मामोड़िया | जलान्दरा | मारोठिया | 9602596461 | जयपुर |
| अभिषेक | M.Com.LLB CAInter | Tax Cosultant | 2.9.94 | 5'10'' | मारवाल | देवतवाल | तूंदवाल | गैदर | 9351935363 | जयपुर |
| योगेश | M.Com. | Compitition | 30.6.97 | 5'7'' | देवतवाल | मामोड़िया | बालोदिया | अनावड़िया | 8058801772 | जयपुर |
| धीरज | B.Com | Garments | 17.1.93 | 5'6'' | जलान्दरा | भैरोदिया | अनावड़िया | बेरा | 9009099068 | इन्दौर |

## युवतियाँ

| नाम | शिक्षा | व्यवसाय | जन्म | ऊंचाई | गौत्र | | | | संपर्क सूत्र मो. नंबर | स्थान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | स्वयं | माता | दादी | नानी | | |
| सपना | B.com.,CA. | CA in MNC(26 LPA) | 17.6.95 | 5'1'' | बेडवाल | मारोठिया | राहोरिया | दम्बीवाल | 9314640321 | जयपुर |
| डॉ. पूजा | MBBS, NEET | - | 29.1.97 | 5'1'' | बेडवाल | मारोठिया | राहोरिया | दम्बीवाल | 9314640321 | जयपुर |
| पायलराज | M.Sc. (Maths) | JAA in AIIMS | 24.9.94 | 5'6'' | मारोठिया | नलवाल | बबेरीवाल | देवतवाल | 9460570001 | जयपुर |
| निहारिका | IIT Bombay | - | 5.9.2000 | 5'6'' | सारड़ीवाल | महरावंडया | खोवाल | कारगवाल | 9414030084 | जयपुर |
| शिवानी | B. Design | - | 26.2.99 | 5'2'' | जलान्दरा | सरोडिया | आईथान | जेठीवाल | 9425053799 | इन्दौर |
| नीतू | B.Com. | - | 26.4.97 | 5'2'' | मारवाल | धुंधारिया | मामोडिया | खरकटा | 9636212537 | जयपुर |
| शारदा | M.A. | - | 1992 | - | कुण्डलवाल | दम्बीवाल | होदकास्या | बरबूण्डया | 9001956606 | जयपुर |
| संजना | BCA, NIIT | MNC SEO | 19.11.97 | 5'0'' | घासोलिया | कारगवाल | धुमुनिया | दादरवाल | 9560205440 | न्यू देहली |
| राधा(मांगलिक) | B.Com., Tally | Pvt. | 3.5.91 | 4'9'' | घोड़ेला | सिरस्वा | किरोड़ीवाल | कारगवाल | 7880291399 | इन्दौर |
| निहारिका | M.A., B.Ed. | Pvt. School | 16.10.96 | - | पडीयार | खाटूवाल | किरोड़ीवाल | कारगवाल | 9414264218 | राजसमन्द |
| विधि | BBA, CS, ICG | Pvt. Job | 12.9.98 | 5'7'' | देवतवाल | बनावड़िया | खटोड़ | किरोड़ीवाल | 9314381123 | उदयपुर |
| अभिलाषा | BVA, MVA | Graphic Designer | 20.12.93 | 5'2'' | खरनेरिया | गमेरिया | धमुनिया | किरोड़ीवाल | 7014086766 | जयपुर |
| कोमल | Graduation ITI | Govt job Metro | 18.1.93 | 5'3'' | अनावड़िया | बेरूण्डिया | मारवाल | माचीवाल | 8005638963 | अजमेर |
| मेघा | M.Com. | - | 28.2.91 | 5'5'' | बालोदिया | दम्बीवाल | मारवाल | आसोला | 9414044879 | जयपुर |
| प्रियांशी | M.Com. | Pvt. School | 13.12.99 | 5'2'' | बालोदिया | मारवाल | धुंधारिया | बड़ीवाल | 9468755967 | जयपुर |
| डिम्पल | BVA, MVA | Pvt. School | 4.1.99 | 4'8'' | खरकटा | तांगडा | जलान्द्रा | बसवाल | 8209668338 | जयपुर |
| लेसिंका | B.A. | Pvt. Job | 2.8.2002 | 5'4'' | जूनवाल | दौराया | राजोरा | सरथल्या | 9413108270 | टोंक |
| भावना | B.A.,MBA | HR in Pvt. | 22.10.90 | 5'1'' | खोवाल | घोड़ेला | बबेरीवाल | बरबूण्डा | 9812629687 | बहादुरगढ़ |
| मानसी | M.A. | - | 5.9.98 | 5'7'' | खोवाल | धमुनिया | मारोठिया | आसीवाल | 8769029204 | श्रीमाधोपुर |

**नोट :** 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

## पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम **"कुमावत इंडिया पत्रिका"**

### 'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुन: भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

### सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mail:kumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

**'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।**

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

**समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।**

### सदस्यता समाप्ति सूचना

**सदस्यता संख्या 5/1 से 5/23 पांच वर्षीय के सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।**

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

### पूर्वजों की याद को संजोये रखे

**'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज ( माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि ) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव**

**पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।**

### -: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

## 'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

**जयपुर :**

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

## नावां का शुभम कुमावत पुरस्कृत

नावांसिटी। उपखंड मुख्यालय स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नावां के कक्षा 11वीं में अध्यनरत विद्यार्थी शुभम कुमावत का पिछले महीने जिला नागौर और डीडवाना-कुचामन जिले के संयुक्त विज्ञान मेले में प्रथम स्थान पर चयन होने पर श्रीमती ललितादेवी साबू चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से प्रोत्साहन स्वरुप 2100/- रूपये की राशि दी गई। शहरी क्षेत्र में कम जगह में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए बनाए गए अपने विज्ञान प्रोजेक्ट को शुभम कुमावत अब उदयपुर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदर्शित कर दोनों जिलों का प्रतिनिधित्व करेगा।

## गोवर्धन योजना की लाभार्थी माया कुमावत

राजस्थान की RCDF ने डेयरी विकास कार्यक्रम के तहत भीलवाड़ा में गोवर्धन योजना लागू की थी। इसमें गोबर उठाने वाली महिलाएं अब अतिरिक्त आय अर्जित कर सकती है और कार्बन क्रेडिट जमा कर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे सकती हैं।

गोबरधन योजना की पहली किश्त का चेक RCDF एमडी श्रुति भारद्वाज ने लाभार्थी माया कुमावत को सौंपा, कार्बन क्रेडिट का केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने चेक सौंपा व राजस्थान की इस योजना की तारीफ की।

## कुमावत समाज; सम्मलेन में 150 युवक-युवतियों ने दिया परिचय

जयपुर। श्री कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति, जयपुर का 33वां युवक युवती परिचय सम्मलेन व दीपावली स्नेह मिलन समारोह मानसरोवर स्थित बाबुल पैराडाइज में आयोजित किया गया। सम्मेलन में समाज के 150 से अधिक युवक-युवतियों ने अपना परिचय दिया। ऐसे सम्मेलनों से वैवाहिक रिश्तों का चयन आसान हो जाताहै।


वैवाहिक

**Ritu Kumawat**

| | | |
|---|---|---|
| **Height** | : | 4-7 ft. |
| **DOB** | : | 2 January 1998 |
| **Qualifications** | : | MBA in Finance |
| **Father name** | : | Mr. Hemendra Kumawat |
| **Mother name** | : | Mrs. Pratibha Kumawat |
| **Gotras** | : | Self : Gungavan<br>Mother : Dhanariya<br>Dadi : Bagdiya<br>Nani : Hodkasya |

**Bhagyashree Kumawat**

| | | |
|---|---|---|
| **Height** | : | 5-3 ft. |
| **DOB** | : | 9 April 1999 |
| **Qualifications** | : | MBA in marketing |
| **Father name** | : | Mr. Hemendra Kumawat |
| **Mother name** | : | Mrs. Pratibha Kumawat |
| **Gotras** | : | Self : Gungavan<br>Mother : Dhanariya<br>Dadi : Bagdiya<br>Nani : Hodkasya |

9, Azad Nagar, Ujjain (M.P.)
Mob. No. : 9826059188 and Prof. B.K. Kumawat : 9229599028

विज्ञापन




विज्ञापन

## आभार

### स्व. श्री सूरजमल कुण्डलवाल

( पुत्र स्व. श्री रामदेवजी कुण्डलवाल )

का आकस्मिक निधन 14 नवम्बर 2024 को हो जाने पर आपने स्वयं पधारकर, शोक संदेश भेजकर, फोन तथा व्हाट्सएप संदेश द्वारा सांत्वना देकर हमें संबल दिया उसके लिए आप सभी का आभार।

**आभारदाता**

**धर्मपत्नी :** श्रीमती सूरज देवी, **पुत्र :** अभिषेक, अश्विनी, **भाई:** स्व. गुरुदयाल, बाबूलाल, राजकुमार, ओमप्रकाश, **भतीजे :** नरेन्द्र, विजय, विनय, तुषार, **पुत्री-दामाद :** चन्दा-प्रभुलाल जी, सरिता-स्व. श्री प्रवीण जी, बीना-आनन्द जी, श्वेता-यशपाल जी **पौत्री-पौत्र :** कोपल, उर्वी एवं कुन्श

**157, महावीर नगर-प्रथम, टोंक रोड, दुर्गापुरा, जयपुर मो. 7877726663**

---

*श्रद्धांजलि*

## षष्ठम् पुण्य तिथि

**19 अक्टूबर, 2024**

हमारे पूजनीय स्वर्गीय

### छितरमल कुमावत (कुद्दीवाल)

हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।
आपकी सादगी, आदर्श एवं त्यागमय जीवन हमारे लिए सदैव प्रेरणा स्रोत बना रहेगा।

**श्रद्धावनत**

**धर्मपत्नी :** श्रीमती फूली देवी **पुत्री-दामाद :** श्रीमती कान्ता देवी-(पत्नी स्व. श्री अशोक कण्डेरीवाल), श्रीमती संतोष-उमाशंकर जी बालोदिया, भानू प्रिया-महेन्द्र जी मारवाल **पुत्र-पुत्रवधु :** गणेश नारायण-आशा देवी, नान्छीलाल-मंजू देवी, प्रकाशचन्द-संतोष, शंकरलाल-सुमित्रा, राकेश **पौत्र-पौत्रवधु :** सुरेन्द्र-मीनाक्षी, नरेन्द्र-मोनिका, विजेन्द्र-प्रिया, सोनू-शेफाली, मोनू, सुभाष, विशाल, रानू, शानू **प्रपौत्र-प्रपौत्री:** भव्य, तन्मय, अवी, भवी, अदिति, नव्या, समन्वी, वान्या एवं समस्त कुद्दीवाल परिवार।

**प्रतिष्ठान गणेश स्टोन कंपनी** ए-88, रघुनाथपुरी, बोरिंग चौराहा, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर-302012

**प्लाट नं. 90-91, मार्ग नं. ए-7, कुमावत कॉलोनी, खातीपुरा रोड, जयपुर-302012**
**मो. 9352829619, 9887033126**

---

*श्रद्धांजलि*

जन्म : 16 जुलाई 1988
स्वर्गवास : 5 दिसम्बर, 2021

## सिद्धार्थ वर्मा (घोड़ीवाल)

( पुत्र श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल )

### तृतीय पुण्य तिथि 5 दिसम्बर, 2024

हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

**खो देने के बाद ही ख्याल आता है,**
**कितना कीमती था समय, व्यक्ति और संबंध।**

**श्रद्धान्वत**

**पिता :** मोहन कुमार, **माँ :** माया वर्मा, **पत्नी :** लक्षिका कुमावत, **पुत्री :** रिध्विका ( राशि ), **भाई :** कपिल कुमार **भाभी :** पूनम कुमावत, **भतीजी :** दिव्यांशी ( आर्वी ), **भतीजा :** दैविक ( दक्ष )

**समस्त घोड़ीवाल परिवार (कुमावत)**
**8/198 मालवीया नगर, जयपुर**

**प्रतिष्ठान : नेशनल टैलर्स, राजपार्क, जवाहर नगर(जयपुर)**
**मो. 98291 69391, 7790905548**

## हार्दिक बधाई

भारत वर्ष में कुमावत समाज के प्रथम पायलट **कैप्टन मृणाल कुमावत** को एयर इण्डिया के एयरक्राफ्ट-A 350 पर अन्तर्राष्ट्रीय उड़ान हेतु चयन होने पर बहुत-बहुत बधाई। कैप्टन मृणाल 2019 से एयर क्राफ्ट-A 320 के पायलट रहे हैं।

**शुभेच्छू**

दादा-दादी : मनोहर सिंह कुमावत एडवोकेट, श्रीमती प्रकाश कुमावत,
पिता-माता: मनीष कुमावत एडवोकेट-श्रीमती मिथिला कुमावत,
बहन : मीनल कुमावत
BA( H ) Miranda House, LLB (CLC) delhi university
M. : 9414072345, 9664091219

## वैवाहिक

# PAYAL RAJ

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **DOB** | : | 24th September 1994 | **Height** | : 5'6" |
| **Weight** | : | 50 kg | **Location** | : Jaipur, Rajasthan |
| **Education** | : | M.Sc. in Mathematics from ICG, Jaipur | | |
| **Occupation** | : | AIIMS New Delhi (Permanent Central Government Employee) & Ex-employee at NIFT, Jodhpur (Textile Ministry) | | |
| **Community** | : | Kumawat | | |
| **Contact** | : | +91 9460570001/8884638990 | | |

**ABOUT ME**

Hold a Master's degree in Mathematics and work as a Junior Administrative Assistant at AIIMS, Delhi. I've successfully cleared various government exams like SSC, NIFT, DDA, and others. I am passionate about continuous learning and deeply connected to my professional growth.

**Gotra Details** : **Paternal**: Marothiya **Maternal:** Naiwal
**Nani:** Dewatwal **Dadi:** Baberiwal

**FAMILY**

We are a middle-class, nuclear family with strong traditional values.

| | | |
|---|---|---|
| **Father** | : | Mr. Rajesh Kumar (Retired BSNL Officer) |
| **Mother** | : | Mrs. Nirmala (Homemaker) |
| **Siblings:** | | |
| **Elder sister** | : | Ex-professor (PhD, Sanskrit) (Married) |
| **Elder sister** | : | Fashion designer (Married) |
| **Elder brother** | : | Software Engineer (Salesforce, Hyderabad) (Married) |
| **Younger brother** | : | Senior Engineer (Marsh McLennan, Gurgaon) |



विज्ञापन

# Ayush
## Multispeciality Hospital

**General, Surgical, Laparoscopy, Obstetrics & Gynecology**

**24 घण्टे इमरजेन्सी सेवा**

**सोनोग्राफी प्राईवेट रूम**

**एम्बुलेन्स सेवा सर्जरी**

### सुविधाएं

1. 50 बैंड वाले अत्याधुनिक विदेशी उपकरणों से सुसज्जित सभी सुविधायुक्त अस्पताल ।
2. 24 घण्टे इमरजेन्सी सेवा हेतु डॉ. निवास हॉस्पिटल में ही।
3. वातानुकुलित ऑपरेशन थिएटर
4. एम्बुलेन्स की सुविधा ।
5. NICU की सुविधा।
6. एक्स-रे, ईसीजी, सोनोग्राफी आदि जांच की सुविधा।
7. लेबोरेट्री में सभी प्रकार के खून, मल-मूत्र, थूक, वीर्य आदि की कम्प्यूटराइज्ड मशीनों द्वारा जांच की सुविधा ।
8. सर्जन, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, यूरोलोजी, शिशु रोग विशेषज्ञ, कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ अस्थि रोग विशेषज्ञ, दन्त रोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन की सेवायें।
9. दूरबीन से नसबंदी, नि: सन्तान, दम्पतियों का इलाज, IUI, IVF, I.CS.I., डिलीवरी व सिजेरियन ऑपरेशन
10. लैप्रोस्कोपी (दूरबीन के ऑपरेशन), हर्निया, हाइड्रोसिल, अपेन्डिक्स, टीयूआरपी (प्रोस्टेट का ऑपरेशन) बवासीर, फिस्टुला का इलाज, सभी प्रकार की पथरी का इलाज व आपरेशन शरीर पर गांठों का ऑपरेशन ।
11. डिजीटल कोलपोस्कोपी (बच्चेदानी के मुँह को कैन्सर) की जाँच उपलब्ध।
12. कैशलैस सुविधा उपलब्ध ।

**डॉ. अभिमन्यु सिंह नागा**
**MBBS, DNB-Surgery**
जनरल व लैप्रोस्कोपिक सर्जन

**डॉ. दीपिका सिंह**
**MBBS, DGO**
स्त्री रोग विशेषज्ञ

**डॉ. नीतिन नेगी**
गुर्दा, मूत्र, पथरी एवं प्रोस्टेट रोग विशेषज्ञ

**डॉ. दिनेश चौधरी**
नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ

**डॉ. रितेश शर्मा**
दंत रोग रोग विशेषज्ञ

**गर्भवती महिलाओं, गर्भाशय से सम्बन्धित बीमारियाँ एवं इमरजेन्सी सेवाऐं 24 घण्टे उपलब्ध**

**अत्याधुनिक, जनरल, मेटरनिटी ( डिलीवरी ) एवं सर्जीकल ( ऑपरेशन ) सेन्टर**

**चिकित्सक, मेडिकल स्टोर, लैबोरेट्री एवं इमरजेन्सी सेवाऐं 24 घण्टे उपलब्ध**

**फिजियोथेरेपी की सुविधा भी उपलब्ध है**

**Mukundpura Road, Bhankrota, Jaipur-302026**
**Ph.: 0141-2251712, Mob.: 7073731773**

विज्ञापन



विज्ञापन

# DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

## ESTABLISHING

### The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

**SHASHI PAL KUMAWAT**
Chairman

**Archery & International**
Level Shooting Range

**Swimming Pool**
"DPS Wave Pulse"

**Horse Riding Club**
Won Laurels at the National Level

**Our Activities**

**Skating Rink**

**Karate Club**
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

**Art & Craft**

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

# Shubh Laxmi Crane & Engineers

**(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service )**

All India Equipments Rental Service Provider

**Jai Kishan Kumawat**
+91- 9829125428
+91- 9887011175

**Shankar Lal Kumawat**
+91- 9887227775

**Mukesh Kumar Kumawat**
+91- 9887337775

**H.O.**
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

**B.O.**
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018